WWW.Kanchanujala.in
हिन्दी दैनिक
kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित
सच्चाई के साथ

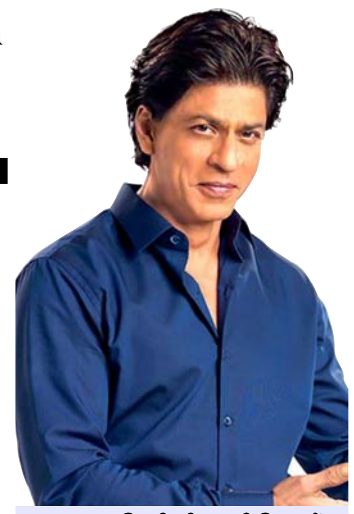

राजकुमार हिरानी की अगली फिल्म में शाहरुख के ऑपोजिट दिखेंगी तापसी पन्नू?

वर्षः 01 अंक : 272 | लखनऊ, सोमवार, 21 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन आयेगाःमोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। संसद में पारित कृषि क्षेत्र से संबंधित विधेयकों पर विपक्ष तथा किसानों के जबरदस्त विरोध के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज एक बार फिर कहा कि इससे कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन आयेगा और करोड़ों किसान सशक्त बनेंगे। कृषि क्षेत्र में सुधार से संबंधित दो विधेयकों को आज राज्यसभा की मंजूरी मिलने पर श्री मोदी ने किसानों को बधाई दी। अपने ट्विट संदेश में उन्होंने कहा कि भारत के कृषि इतिहास में आज एक बड़ा दिन है। संसद में अहम विधेयकों के पारित होने पर मैं अपने परिश्रमी अन्नदाताओं को बधाई देता हूं। यह न केवल कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाएगा, बल्कि इससे करोड़ों किसान सशक्त होंगे। एक अन्य ट्विट में उन्होंने कहा कि हमारे कृषि क्षेत्र को आधुनिकतम तकनीक की तत्काल जरूरत है, क्योंकि इससे मेहनतकश किसानों को मदद मिलेगी। अब इन बिलों के पास होने से हमारे किसानों की पहुंच भविष्य की टेक्नोलॉजी तक आसान होगी। इससे न केवल उपज बढ़ेगी, बल्कि बेहतर परिणाम सामने आएंगे। यह एक स्वागत योग्य कदम है। दशकों तक हमारे किसान भाई-बहन कई प्रकार के बंधनों में जकड़े हुए थे और उन्हें बिचौलियों का सामना करना पड़ता था। संसद में पारित विधेयकों से अन्नदाताओं को इन सबसे आजादी मिली है। इससे किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयासों को बल मिलेगा और उनकी समृद्धि सुनिश्चित होगी।÷ किसानों को फसलों के एमएसपी को लेकर उठाये जा रहे सवालों को बेबुनियाद बताते हुए उन्होंने कहा कि यह पहले की तरह जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी कहा चुका हूं और एक बार फिर कहता हूं एमएसपी की व्यवस्था जारी रहेगी।

सरकारी खरीद जारी रहेगी। हम यहां अपने किसानों की सेवा के लिए हैं। हम अन्नदाताओं की सहायता के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे और उनकी आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करेंगे। उल्लेखनी है कि राज्यसभा ने रविवार को विपक्ष के भारी हंगामें के बीच कृषि क्षेत्र के दो विधेयकों 'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020' तथा 'कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा करार विधेयक 2020' को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा इन दोनों विधेयकों को पहले ही पारित कर चुकी है।

> एक अन्य ट्विट में उन्होंने कहा कि हमारे कृषि क्षेत्र को आधुनिकतम तकनीक की तत्काल जरूरत है, क्योंकि इससे मेहनतकश किसानों को मदद मिलेगी

विपक्ष के भारी हंगामें के बीच कृषि सुधारों के विधेयकों पर संसद की मुहर

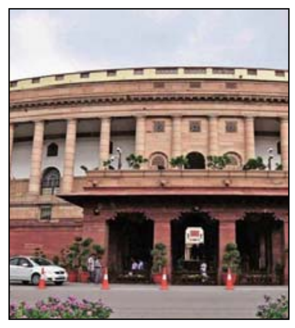

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में रविवार को विपक्ष के भारी हंगामें के बीच कृषि सुधारों के दो विधेयकों 'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020' तथा 'कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा करार विधेयक 2020' को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया और इसके साथ इन दोनों विधेयकों पर संसद की मुहर लग गयी। लोकसभा इन्हें पहले ही पारित कर चुकी हैं। ये दोनों विधेयक जून में जारी किये गये दो अध्यादेशों का स्थान लेंगे। इन विधेयकों में किसानों को मंडी से बाहर कहीं भी मनमानी कीमत पर अपनी फसलों की बिक्री की आजादी दी गयी है। इसके साथ ही अनुबंध कृषि का प्रावधान किया गया है। इससे अधिक मूल्य मिलने वाली फसलों की खेती बढ़ेगी और अत्याधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा मिल सकेगा। कृषि एवं किसान मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने चार घंटे की चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली को बंद नहीं किया जाएगा और इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी आश्वासन दिया है । इन विधेयकों से किसानों को अपनी उपज बेचने के दो विकल्प उपलब्ध होंगे। इन विधेयकों में किसानों को मंडी से बाहर कहीं भी मनमानी कीमत पर अपनी फसलों की बिक्री की आजादी दी गयी है। इससे अधिक मूल्य मिलने वाली फसलों की खेती बढ़ेगी और अत्याधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा मिल सकेगा । उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाना चाहती है और उन्हें फसलों की बुआई के समय ही उसकी उचित कीमत का आश्वासन दिलाने का प्रयास कर रही है। विधेयकों को पारित कराने की प्रक्रिया के दौरान सदन में विपक्ष ने भारी हंगामा जिसके सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित भी करनी पड़ी।

कृषि सुधार से किसानों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आयेगाः तोमर

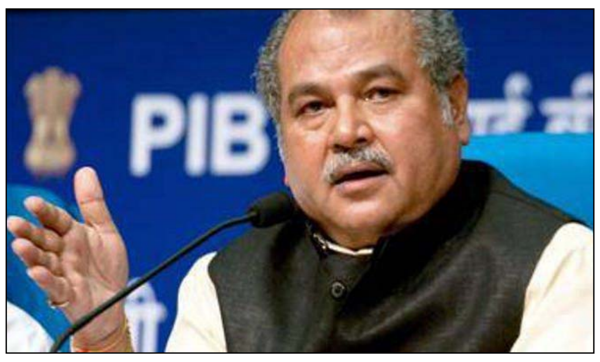

नयी दिल्ली, एजेंसी। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने रविवार को कहा कि सरकार किसानों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाना चाहती है और उन्हें फसलों की बुआई के समय ही उसकी उचित कीमत का आश्वासन दिलाने का प्रयास कर रही है। श्री तोमर ने राज्यसभा में कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020 तथा कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार विधेयक 2020 पेश करते हुए कहा कि दोनों विधेयक ऐतिहासिक है जिन्हें लोकसभा पारित कर चुकी है। कृषि मंत्री के विधेयक पेश करने के पूर्व मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के के. के. रागेश और छह अन्य सदस्यों ने इन विधेयकों से संबंधित अध्यादेशों को निरस्त करने के संकल्प पेश किया। इन विधेयकों में किसानों को मंडी से बाहर कहीं भी मनमानी कीमत पर अपनी फसलों की बिक्री की आजादी दी गयी है । इसके साथ ही अनुबंध कृषि का प्रावधान किया गया है। इससे अधिक मूल्य मिलने वाली फसलों की खेती बढेगी और अत्याधुनिक कृषि तकनीक को बढावा मिल सकेगा। श्री तोमर ने कहा कि किसान अब अपनी मर्जी से फसलों की बिक्री कहीं भी कर सकेंगे । इसके साथ ही अधिक मूल्य मिलने वाली फसलों की खेती का विस्तार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को अब फसलों की बुआई के समय ही उसकी उचित कीमत का आश्वासन मिल सकेगा। पहले किसान मनचाहे स्थान और मूल्य पर अपनी फसल नहीं बेच सकते थे। उन्होंने कहा कि कृषि उपज विपणन समिति (कृषि मंडी) से किसानों को न्याय नहीं मिलता था और इसमें पारदर्शिता नहीं थी।

उपसभापति हरिवंश के खिलाफ विपक्षी दलों ने पेश किया अविश्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। किसानों से संबंधित दो विधेयक राज्यसभा में रविवार को ध्वनि मत के जरिए पारित हो गया। इससे पहले ये विधेयक लोकसभा में पास हो चुके हैं। उच्च सदन की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने विधेयकों के खिलाफ जमकर हंगामा किया। इस बीच, विपक्ष ने सदन के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह के खिलाफ अविश्वास पेश किया है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता अहमद पटेल ने उपसभापति हरिवंश पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्हें (हरिवंश) को लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन इसके बजाए, उनके रवैये ने आज लोकतांत्रिक परंपराओं और प्रक्रियाओं को नुकसान पहुंचाया है। इसलिए हमने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला किया। राज्यसभा में कई दलों ने दोनों विधेयकों को प्रवर समिति में भेजे जाने की मांग की।

दो दिनों से नये मामलों में कमी

अब तक 43 लाख से अधिक हुए स्वस्थ

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में लगातार दूसरे दिन कोरोना संक्रमण के नये मामलों की तुलना में इस महामारी से निजात पाने वालों की संख्या अधिक रही और पिछले 24 घंटों के दौरान 94 हजार से ज्यादा मरीज ठीक हुए जिसे मिलाकर अब तक 43 लाख से अधिक संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। इससे पहले शनिवार को कोरोना से निजात पाने वालों की संख्या रिकार्ड 95,880 रही। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 94,612 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसके साथ ही अब तक कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 43,03,043 हो गयी है। इस दौरान 92,605 नये मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा 54,00,619 पर पहुंच गया। इसी अवधि में 1133 मरीजों की मौत हो गयी । देश में अब तक 86,752 कोरोना संक्रमित अपनी जान गंवा चुके हैं। आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों की संख्या में 3140 की कमी आयी है और अब यह 10,10,824 हो गयी है। इससे एक दिन पहले कम होने वाले सक्रिय मामलों की संख्या 3790 रही। देश के केवल 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय मामले कम हुए हैं जिनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 3407 और उसके बाद आंध्र प्रदेश में 2660 और कर्नाटक में 2565 मरीज कम हुए हैं। देश में सक्रिय मामले 18.72 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 79.68 प्रतिशत है, जबकि मृत्यु दर 1.61 फीसदी है। कोरोना महामारी से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या में कमी आयी है और यह 3407 कम होकर 2,97,866 हो गयी तथा 425 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 32,216 हो गया। इस दौरान 23,501 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 8,57,933 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 2565 की कमी हुई है और राज्य में अब 98,583 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 7922 पर पहुंच गया है तथा अब तक 4,04,841 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 2660 कम होने से सक्रिय मामले 81,763 रह गये। राज्य में अब तक 5302 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 5,30,711 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इस दौरान 951 मरीज कम हुए हैं जिससे सक्रिय मामले 66,874 हो गये हैं तथा इस महामारी से 4953 लोगों की मौत हुई है जबकि 2,76,690 मरीज ठीक हुए हैं।

विश्व में कोरोना से 3.06 करोड़ संक्रमित 9.55 लाख की मौत

वाशिंगटन /रियो डि जेनेरो/नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्वभर में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से तीन करोड़ छह लाख से अधिक लोग संक्रमित हो गये हैं और 9.55 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 3,06,83,828 लोग संक्रमित हुए हैं और 9,55,841 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 67,64,916 पर पहुंच गयी है और अब तक 1,99,258 लोगों की जान जा चुकी है। भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 98,885 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 54 लाख को पार कर 54,00,619 हो गया।

किसानों को पूंजीपतियों का गुलाम बना रहे हैं मोदीः राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केंद्र सरकार को घेरने का कोई मौका नहीं चूकते हैं और रविवार को उन्होंने किसान संबंधी विधेयकों को लेकर हमला बोलते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों को पूँजीपतियों का ग़ुलाम बना रहे हैं जिसे देश कभी सफल नहीं होने देगा। कांग्रेस कृषि से जुड़े तीन विधेयकों को लेकर हमलावर बनी हुई है। यह विधेयक लोकसभा में पारित हो चुके हैं और इन्हें आज राज्यसभा में पेश किया गया है। वायनाड से सांसद कांग्रेस नेता ने आज ट्वीट कर कहा कि मोदी सरकार के कृषि-विरोधी 'काले क़ानून' से किसानों को कृषि उत्पाद विपणन समिति (एपीएमसी)किसान मार्केट ख़त्म होने पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कैसे मिलेगा और एमएसपी की गारंटी क्यों नहीं? मोदी जी किसानों को पूँजीपतियों का 'ग़ुलाम बना रहे हैं जिसे देश कभी सफल नहीं होने देगा।

सरकार ने आम सहमति से काम किया होता तो कोविड की इतनी बुरी स्थिति न होती

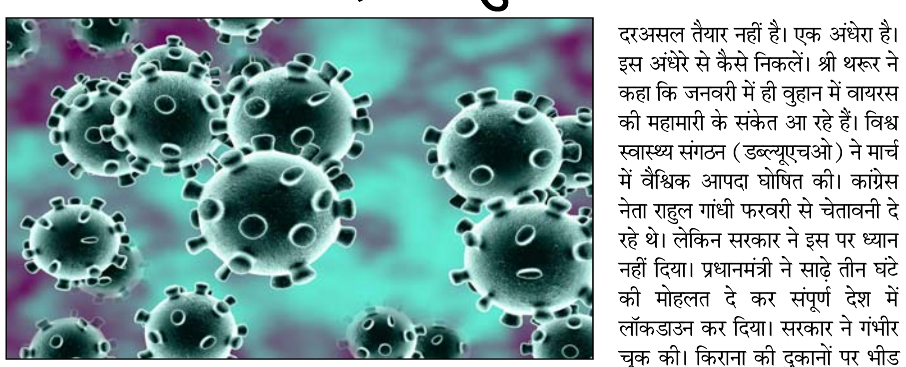

नयी दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष ने आज आरोप लगाया कि कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने में सरकार का तंत्र पूरी तरह से विफल रहा। यदि सरकार ने एकतरफा फैसले लेने की बजाय एक राजनीतिक आम सहमति के साथ इस संकट का सामना किया होता तो स्थिति इतनी बुरी नहीं होती। लोकसभा में नियम 193 के अंतर्गत कोविड-19 की स्थिति पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के शशि थरूर ने कहा कि केवल एक चीज़ अच्छी हुई है। सरकार को इस बीमारी की वजह से मुंह छिपाने का बहाना मिल गया है। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व में सर्वाधिक पॉजिटिव केस और सर्वाधिक मौत के आंकड़े वाला देश बन गया है। यह स्थिति असाधारण है। इसने समाज के हर वर्ग के लोगों को प्रभावित किया है। सरकारी तंत्र पूरी तरह से विफल रहा है। हम दरअसल तैयार नहीं है। एक अंधेरा है। इस अंधेरे से कैसे निकलें। श्री थरूर ने कहा कि जनवरी में ही वुहान में वायरस की महामारी के संकेत आ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मार्च में वैश्विक आपदा घोषित की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी फरवरी से चेतावनी दे रहे थे। लेकिन सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने साढ़े तीन घंटे की मोहलत दे कर संपूर्ण देश में लॉकडाउन कर दिया। सरकार ने गंभीर चूक की। किराना की दुकानों पर भीड़ लग गयी। रातों रात प्रवासी मजदूर पैदल की गृह नगर की ओर निकल पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार की कोई तैयारी नहीं थी। अगर सरकार सभी दलों से मिलजुल कर इस आपदा का मुकाबला करती तो स्थिति बहुत बेहतर होती। उन्होंने कहा कि असंगठित क्षेत्र के लाखों लोग हजारों किलोमीटर पैदल चले। हम इन लोगों की भूख मिटाने एवं विषाणु के प्रसार को रोकने से विफल रहे।

विपक्ष के हंगामे पर बरसे राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रायसभा में हंगामे के बीच रविवार को पारित करवाए गए किसानों से संबंधित दो बिलों पर कई मंत्रियों समेत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। सदन में विपक्ष के हंगामे पर राजनाथ सिंह ने कहा कि जहां तक मुझे पता है, लोकसभा या रायसभा के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है। रायसभा में ऐसा होना और भी बड़ा मामला है। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि अफवाहों के आधार पर किसानों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जो सदन में हुआ, वह उसकी गरिमा के खिलाफ था। इसके साथ ही रक्षा मंत्री ने खुद को किसान बताते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य सिस्टम के जारी रहने का भी भरोसा दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज रायसभा में जो हुआ वह दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक था। सदन में चर्चा की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी होती है, लेकिन विपक्ष का यह भी कर्तव्य है कि वह अनुशासन बनाए रखे। विपक्ष द्वारा उपसभापति हरिवंश के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने पर रक्षा मंत्री ने कहा कि चेयरमैन को नोटिस दिया गया है और वे ही फैसला लेंगे। मैं उसपर कोई भी राजनैतिक टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर रक्षा मंत्री ने कहा, मैं भी एक किसान हूं और मैं देश के किसानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) और एपीएमसी (कृषि उपज बाजार समिति) प्रणाली समाप्त नहीं होने जा रही है।वहीं, इन बिलों के खिलाफ मोदी सरकार से इस्तीफा देने वालीं शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) की सांसद हरसिमरत कौर पर पूछे गए एक सवाल पर सिंह ने कहा कि हर फैसले के पीछे राजनैतिक वजह होती हैं। मैं उनके इस फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं।

प्रयागराज में अतीक अहमद के कार्यालय पर चली योगी सरकार की जेसीबी

प्रयागराज, एजेंसी। पूर्व सांसद अतीक अहमद के कर्बला स्थित कार्यालय पर रविवार को विकास प्राधिकरण का बुलडोजर चला। प्राधिकरण के अधिकारियों ने तीन जेसीबी की मदद से कार्यालय के दो हिस्सों को ध्वस्त करा दिया। अधिकारियों का कहना है कि नक्शे के विपरीत दो हिस्सों में अवैध निर्माण कराया गया था। विकास प्राधिकरण के जोनल अधिकारी शत शुक्ला के नेतृत्व में प्राधिकरण की टीम पुलिस फोर्स के साथ कर्बला पहुंची थी। दोपहर 12 बजे से शुरू हुई कार्रवाई शाम करीब चार बजे के बाद तक चलती रही। सुरक्षा के मद्देनजर कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी पुलिस फोर्स की तैनाती की गई थी। विकास प्राधिकरण की टीम इसके पूर्व अतीक अहमद के कॉम्प्लेक्स, मकान समेत पांच अवैध निर्माण को ध्वस्त कर आ चुकी है। विकास प्राधिकरण ने शनिवार को अतीक के भाई पूर्व विधायक अशरफ के साले मो. जैद के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र स्थित हटवा स्थित तीन मंजिला मकान ध्वस्त करा दिया। इस दौरान पुलिस एवं पीएसी तैनात रही। जोनल अधिकारी शत शुक्ला के नेतृत्व में विकास प्राधिकरण की टीम शनिवार सुबह साढ़े दस बजे कौशांबी की सीमा से सटे हटवा गांव पहुंच गई। दो दर्जन से अधिक मजदूरों की मदद से पहले मकान खाली कराया गया। करीब दो करोड़ से बने मकान में जैद का परिवार रहता था। मकान खाली कराने के बाद पीडीए ने कार्रवाई शुरू की। तकरीबन पांच घंटे तक कार्रवाई में आधा दर्जन जेसीबी की मदद से मो. जैद के तीन मंजिला मकान को ध्वस्त करा दिया।

गोरखपुरः फिल्मी स्टाइल में हत्या, मां बेटी को सड़क पर गोलियों से भूना

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर में रविवार की दोपहर फिल्मी स्टाइल में बाइक सवार बदमाशों ने मां-बेटी को बीच सड़क पर गोलियों से भून दिया। इस सनसनीखेज वारदात में मां की मौत हो गई जबकि बेटी गम्भीर रूप से घायल है। घटना गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के बशारतपुर इलाके में हुई। बशारतपुर क्रिश्चयन कालोनी की रहने वाली 43 वर्षीय डेविना मेजर रविवार की दोपहर में 18 वर्षीय बेटी डेल्फिना के साथ स्कूटी से अपने मायके जा रहीं थीं। उनका मायका भी उसी कालोनी में स्थिति है। मां-बेटी घर से कुछ ही दूर आगे राजीवनगर के आशियाना मोड़ पर पहुंची थीं कि तभी एक बाइक पर सवाल दो बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक किया। दोनों बदमाश हेल्मेट पहने हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बदमाश जैसे पीछे से मां बेटी की स्कूटी के समानान्तर अपनी बाइक से पहुंचे बाइक पर पीछे बैठे शख्स ने गोली चला दी। स्कूटी पर पीछे बैठी डेविना मेजर को जैसे ही गोली लगी डेल्फिना का संतुलन बिगड़ गया। स्कूटी सहित मां-बेटी सड़क पर गिर पड़ीं। लेकिन बदमाश रुके नहीं। पहली गोली के बाद उन्होंने दूसरी गोली डेल्फिना को लक्ष्य करके चलाई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक एक-एक कर कुल पांच गोलियां बदमाशों ने मां-बेटी को लक्ष्य करके चलाई। दोनों को मरा जान या मौत के करीब मान बदमाश बाइक घुमाकर फिर उसी रास्ते से भाग निकले जिधर से वे मां-बेटी का पीछा करते हुए आए थे। जाते वक्त दहशत फैलाने के लिए वे हवाई फायरिंग करते जा रहे थे। अपनी आंखों के सामने यह सब होता देख कुछ लोग मां-बेटी की ओर दौड़े लेकिन बदमाशों की दहशत के चलते बदमाशों का पीछा करने की हिम्मत कोई नहीं जुटा सका।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर जुल्म पंजाब में एक और सिख लड़की किडनैप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 22 वर्षीय सिख लड़की लापता हो गई है। पुलिस ने अज्ञात अपहर्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मीडिया में आई एक खबर के मुताबिक यह घटना हाल में अटक जिले के हसनअब्दाल शहर में हुई। इसी शहर में सिखों का पवित्र धर्मस्थल प्रसिद्ध गुरुद्वारा पंजा साहिब है। डॉन अखबार के मुताबिक लड़की कचरा फेंकने के लिए अपने घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं आई। उसके पिता हसनअब्दाल में एक दुकान चलाते हैं। खबर में इस बात का जिक्र नहीं है कि यह घटना कब हुई। उप संभागीय पुलिस अधिकारी राजा फैयाज उल हसन के हवाले से बताया गया कि हसनअब्दाल पुलिस ने लड़की के पिता की शिकायत के आधार पर अज्ञात अपहर्ता के खिलाफ पाकिस्तान की दंड संहिता की धारा 365 बी के तहत अगवा करने (शादी करने के लिए अपहरण समेत) के तहत एक मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस लापता लड़की की तलाश कर रही है। जिला पुलिस के प्रवक्ता ताहिर इकबाल ने कहा कि लड़की के पिता द्वारा शिकायत दर्ज कराने के तुरंत बाद अज्ञात अपहर्ता के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया। उपसंभागीय पुलिस अधिकारी हसन ने बताया कि जिस दिन लड़की लापता हुई, उसके अगले दिन उसने अपने पिता को वाट्सऐप पर एक मैसेज भेजकर बताया कि उसने अपनी इच्छा से शादी की है और इस्लाम कबूल कर लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस की कई टीमें लड़की की तलाश कर रही हैं ताकि उसे अदालत में पेश किया जाए और बयान दर्ज कराया जाए। पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव सरदार अमीर सिंह ने पुष्टि की है कि गुरुद्वारा पंजा साहिब के पास स्थित घर से लड़की लापता हो गई।

बेरोजगारी एवं मंहगाई के चलते पौष्टिक आहार हुआ दुश्वार, कैसे बढ़ेगा इम्यूनिटी?

गरीब की पहुंच से दूर हुई पौष्टिक आहार हरी सब्जी व दाल

गोरखपुर/(कोविड19) कोरोना महामारी के संक्रमण से बचाव के लिए डॉक्टर व सरकार पौष्टिक भोजन खाने का सुझाव देकर प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी पॉवर) बढ़ाने की सलाह दे रहें हैं जबकि सच्चाई यह है कि बेरोजगारी व महंगाई के कारण पौष्टिक आहार मिलना दुश्वार हो गया है। लॉकडाउन के दौरान बेरोजगार हुए मजदूर अभी तक जैसे तैसे दो वक्त की रोटी बमुश्किल जुटा पा रहे है। वहीं धर्मपुरा गांव के बेरोजगार शिवशंकर मिश्रा, पकड़ी,भवनपोखर के किसान व समाज सेवी प्रभुनाथ यादव और पड़ौली के व्यवसायी व समाज सेवी ध्रुव वर्मा ने संवाददाता से बताया कि महामारी के बाद लॉकडाउन, उद्योग-व्यापार एवं रोजगार चौपट होने से स्थिति बदतर हुई है।जो लोग देश-विदेश से घर आ गए वह महामारी से या किसी अन्य समस्या के कारण दोबारा रोजगार के लिए जाने में असमर्थ है। ऊपर से महंगाई के चलते

भोजन की थाली में हरी सब्जी, दाल, दूध, घी और दही जैसी जरूरी चीजें आमजन की पहुँच से दूर हो गयी हैं।

कोरोना वायरस से बचाव के लिए विशेषज्ञ संतुलित अहार एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए तरह-तरह की चीजों को खाने का सुझाव दे रहे हैं, जबकि मौजूदा हालात में ऐसा होना नामुमकिन दिख रहा है।क्योकि बाजार में सब्जी से लेकर खाने-पीने के सामान महंगे हैं। कालाबाजारी एवं मुनाफाखोरी का खेल चल रहा है। बाज़ार में केवल सब्जियों के खुदरा दाम ने लोगों को रुलाया हुआ है। बाज़ार में अभी आलू 34 से 36 रुपये प्रति किलोग प्याज 35-40, बैगन 40, तोरई 30, लहसुन150-200, लौकी 30, भिंडी 30-40, परवल 80, काशीफल 30, मिर्च 100, टमाटर 60 रुपये प्रति किलोग्राम। अरहर, उड़द, मूंग, मसूर की दाल भी 100 रुपये किलो से ऊपर बिक रही है।

साकेतवासी श्याम बिहारीदास को सन्तो ने किया नमन

अयोध्या। शेषा अवतार लक्ष्मण मन्दिर के पूर्वाचार्य स्वामी श्यामबिहारीदास के साकेतोप्रांत रविवार को मन्दिर में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके सन्तो- महंतो ने उन्हें याद व नमन किया। इस दौरान मन्दिर के वर्तमान महंत अशोकदास व पार्षद आलोक मिश्रा ने स्वामी जी को नमन करते हुए उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। इस बीच साधु संतों का विराट भंडारा भी आयोजित किया गया। जिसमें आये सन्तो महंतो का स्वागत सत्कार मन्दिर के महंत अशोकदास ने अंग वस्त्र देकर किये। इस दौरान महंत कमलनयन दास, महंत करुनानिधान शरण, महामंडलेश्वर स्वामी गिरीशदास, यमबीदास जी, पार्षद अनुजदास, महंत बृजमोहनदास, राममंगलदास रामायणी, भाजपा नेता संजय शुक्ला, अधिकारी राजकुमारदास, मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, सांसद लल्लू सिंह, अवधेश मिश्रा, महंत रामकुमार दास, पुजारी रमेशदास सहित अयोध्या के अन्य प्रमुख सन्त - महंत शिष्य आदि शामिल रहे।

पुरानी रंजिश मे युवक को मारी गोली हालत गंभीर

जून महीने में भी राशन वितरण को लेकर चली थी गोली

गोरखपुर/चिलुआताल थाना क्षेत्र के मजनू पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम ताजडीह में पुरानी रंजिश के वजह चली गोली एक घायल अभियुक्त गिरफ्तार सुबह लगभग 10:15 बजे बजे के क़रीब कृष्णा दुबे पुत्र स्व.शिवपूजन दुबे व सूर्य प्रकाश दुबे पुत्र सुरेन्द्र नाथ दुबे निवासी ग्राम ताजडीह,जगतबेला दोनों साथ में गोरखपुर जा रहे थे कृष्णा दुबे अपना मोबाइल घर पर भूल गया तो ताजडीह के सामने गांव के बाहर खड़ा होकर उसने गाव के ही इंद्रजीत यादव को फोन लेकर गाव के बाहर मोड़ पर आने को कहा तभी जगतबेला की तरफ से पैशन गाड़ी से रामसजन यादव व रामभजन यादव वही आ गये और वही खड़े कृष्णा दुबे व सूर्यप्रकाश दुबे पर ताबड़तोड़ गोली चलाना शुरू कर दिये जिसमे एक गोली

कृष्णा के पेट में लग गयी और लोगो की भीड़ इकट्ठा हो गयी उसके बाद दोनों आरोपी युवक हवाई फ़ायरिंग करते हुये गाँव की तरफ़ भागे और अचानक उनकी गाड़ी गड्ढे में गिर गयी दोनों आरोपी युवक भी पानी मे गिर गये और उसके बाद वही से घर की तरफ भाग गये गोली की आवाज़ सुनकर पहुँचे ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दिया मौके पर क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार सिंह थाना प्रभारी चिलुआताल नीरज राय चौकी प्रभारी मजनू ने राम भजन यादव राम सजन यादव पुत्रगण संतराज यादव और उनके पिता संतराज यादव को पकड़ कर थाना चिलुआताल लाकर पूछताछ कर रही है।

प्रमाण पत्र वितरण के साथ दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

औरंगजेब शेख महाराजगंज पंचायती राज विभाग उत्तर प्रदेश के प्रयोजन व श्री ट्रान इंडिया लिमिटेड उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन महराजगंज जनपद के काका मैरेज हाउस में हुआ । इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में निचलौल व परतावल विकास खंड से 121 ग्राम्य विकास अधिकारी व ग्राम प्रधान उपस्थित रहे । इस प्रशिक्षण शिविर में ग्राम्य पंचायतों को डिजिटल बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया । ई ग्राम स्वराज व पी एफ एम एस प्रणाली पर भी प्रशिक्षित टीम द्वारा विधिवत प्रशिक्षण दिया गया । सभी कार्यक्रमों में भारत सरकार के कोविड दिशा निर्देशों का पालन किया गया सभी प्रतिभागियों को थर्मल स्क्रीनिंग , सेनेटाइजर व मास्क उपलब्ध कराए गए साथ साथ सामाजिक दूरी का भी बखूबी निर्वहन किया गया । कार्यक्रम का संयोजन दीपक यादव जी ने किया । कार्यक्रम प्रशिक्षक के रूप में अमरनाथ द्विवेदी , अरविंद कुमार वर्मा , इंजी घनश्याम दुबे , शुभम मिश्र जी रहे । कार्यक्रम में फोटो संयोजन का कार्य आदर्श कुमार पाण्डेय ने किया । उक्त कार्यक्रम में सभी सम्मानित प्रधान गण व सचिव साहब लोगो का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

नगर पंचायत बृजमनगंज में हुई बैठक पत्र के माध्यम से सरकार से रुके हुए खाद्यान्न भुगतान की मांग

महाराजगंज/नगर पंचायत बृजमनगंज के रामलीला पड़ाव में स्थित कोटेदार नटवरलाल गोयल के आवास पर बैठक के माध्यम से कोटेदार संघ के प्रदेश सचिव राजेंद्र सोनी ने प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री पत्र के माध्यम से वर्ष 2001 से 2015 डोर स्टेप डिलीवरी का भाड़ा तथा एमडीएम भाड़ा भुगतान तथा माह जून 2020 में विक्रेताओं द्वारा मनरेगा श्रम विभाग में बांटे गए फ्री खाद्यान्न व जुलाई 2020 प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत फ्री खाद्यान्न का कमीशन तथा गोदाम पर होम डिलीवरी का खाद्यान्न ना पहुंचने के कारण अपने पैसे से खाद्यान्न ढुलाई भाड़ा पल्लेदारी जो कि शासन के विरुद्ध है इन सभी बिंदुओं पर भुगतान कराने के संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित महाराजगंज जिले के जिला अधिकारी उप जिला अधिकारी जिला पंचायत राज अधिकारी डीएसओ सहित सभी को पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया उक्त बातें मीडिया के माध्यम से फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश शाखा महाराजगंज के प्रदेश सचिव राजेंद्र सोनी उन्होंने कहा की मऊ ,आजमगढ़ तथा अन्य जिलों में भुगतान हो गया है परंतु महाराजगंज जिले में भुगतान न होने से कोटेदार संघ लोगों में काफी समस्याएं आ रही हैं उन्होंने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यदि जल्द से जल्द सजन कोटेदारों का बकाया राशि भुगतान नहीं किया जाता है तो माह अक्टूबर 2020 का खाद्यान्न नहीं निकासी करने का निर्णय संगठन द्वारा लिया गया है। जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी बैठक में कोटेदार संघ के पुराने कार्यकर्ता नटवर गोयल ,विष्णु जायसवाल, अब्दुल सलाम समस्त लोग मौजूद रहे।

चोरी का सामान सहित अभियुक्त गिरफ्तार

रायगंज चौकी इंचार्ज आरपी मिश्र को मिली बड़ी सफलता

अयोध्या। एसएसपी दीपक कुमार के द्वारा अपराध व अपराधियो पर नियंत्रण हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी अयोध्या आर के राय के कुशल पर्यवेक्षण में व कार्यवाहक थाना प्रभारी को0 अयोध्या रमेन्द्र वर्मा के कुशल नेतृत्व में चोरी का माल सहित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अयोध्या कोतवाली अयोध्या में पंजीकृत मु0अ0स0 682/20 धारा 379/411 भा0द0वि0 के अभियुक्त आलोक श्रीवास्तव पुत्र ईश्वरलाल निवासी थाना को0 अयोध्या को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया। यह सफलता नवागत रायगंज पुलिस चौकी इंचार्ज आरपी मिश्रा व उनकी जाबांज टीम को मिली है।

गोरखपुर में फिर गहराया कूड़ा उठान पर संकट, ग्रामीणों ने लौटाई गाड़ियां

गोरखपुर/ शहर में कूड़ा उठान और उसके निस्तारण पर फिर संकट गहरा गया है। नौसड़ के लोगों ने शनिवार को नगर निगम की गाड़ियों को एकला बांध पर कूड़ा गिराने से रोक दिया।बिना कूड़ा गिराए ही सभी गाड़ियां नगर निगम के महेवा स्थित स्टोर में आकर खड़ी हो गई हैं। वहीं, देर शाम तक नगर निगम के अधिकारी कूड़ा गिराने के लिए नई जगह तलाशने में लगे रहे।शहर से रोजाना करीब 550 मीट्रिक टन कूड़ा निकलता है। इसे मुख्य रूप से नौसड़ स्थित एकला बांध पर गिराया जाता है। इससे उठने वाली दुर्गंध से नाराज क्षेत्रीय नागरिकों ने शनिवार को विरोध कर दिया। उनका कहना था कि कूड़ा नहीं गिरने देंगे। डंपिंग ग्राउंड नहीं है, फिर भी पिछले दो वर्षों से कूड़ा गिराया जा रहा है। कूड़े से 500 मीटर के दायरे में दुर्गंध उठती है। इससे दम फूलता है। तमाम तरह

की बीमारियां फैलती हैं।

अधिकारियों से हुई बात

पूरे शहर का कूड़ा एकला बंधे पर फेंका जा रहा है। इससे कोरोना संक्रमण का भी खतरा है। लॉकडाउन से पहले भी कूड़ा गिराने का विरोध किया था। गाड़ियां वापस हुई थीं, फिर भी नगर निगम प्रशासन नहीं मान रहा है। नगर आयुक्त और क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि के बीच बात हुई, फिर कूड़ा गिराने क सिलसिला शुरू हो गया है। ऐसा लगता है जनता की सहूलियत से कोई लेनादेना ही नहीं है। अब कूड़ा नहीं गिरने दिया जाएगा। विरोध की वजह से ही शनिवार को एक भी गाड़ी का कूड़ा एकला बंधे पर नहीं गिर सका।नगर निगम, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. मुकेश रस्तोगी ने बताया कि नौसड़ के एकला बांध पर कूड़ा गिराने का विरोध हुआ। क्षेत्रीय लोगों ने नगर निगम की गाड़ियों को रोक दिया। कूड़ा लदी गाड़ियां स्टोर में खड़ी हैं। नगर निगम प्रशासन कूड़ा गिराने के वैकल्पिक स्थान की तलाश में लगा है।

चंद समय में सड़को के बिगड़ने लगे हालत

महराजगंज। टूटीबारी से महराजगंज को जाने वाली मुख्य मार्ग एनएच 24 को निर्माण से दो वर्षों में ही उखड़ना शुरू हो गया। जहां सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बनने तथा गिट्टियां उखड़ने शुरू हो गए हैं। ऐसे में थोड़ी सी बरसात में ही सड़क पर बने गड्ढे में पानी जमा हो जा रहा है जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति ऐसे ही रहा तो बहुत जल्द ही मुख्य मार्ग गढ़ों में तब्दील हो जाएगा। सोचने वाली बात यह है कि सड़को की हालात इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त कैसे हो गई। काफी लागत से बने सड़क की कमर कैसे टूट सकती है। सड़कों पर बिखरी पड़ी गिट्टियां सैकड़ो गड्ढे राहगीरों की मुश्किले धीरे धीरे बढ़ा रखी है। आए दिन सड़कों पर बिखरे पड़े गिट्टियां से फिसलने पर लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।

ग्रामीणों द्वारा पोखरे के नीलामी को रोकने का मांग

निरंकार चौबे महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बभनी में पोखरे के नीलामी को तत्काल प्रभाव से रद्द करने के लिए ग्रामीणों ने एसडीएम नौतनवां को लिखित शिकायती पत्र देकर नीलामी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम सभा में सिंचाई का कोई समुचित व्यवस्था नहीं है ऐसे में तमाम ग्राम वासियों का फसल इसी पोखरे से आश्रित है जहां ग्राम वासी इस पोखरे के पानी से अपने फसलों को संजोए हुए हैं। ऐसे में पोखरे का पट्टा हो जाने के कारण तमाम ग्राम वासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोगों ने बताया कि इस पोखरे के पास दशहरा पर्व का मेला, छठ पूजा व तमाम धार्मिक कार्य किया जाता है वहीं पोखरे का पक्का ना होने के कारण रोड का पटरी भी कटकर पोखरे में तब्दील हो गया है। ऐसे में ग्रामीण भोलेंद्र मिश्र, सत्यदेव तिवारी, दीपू पाण्डेय, राजाराम अग्रहरी, अश्वनी पाण्डेय, कोमल गुप्ता, जीत बहादुर गिरी, विश्राम हरिजन, पुर्णवासी कनौजिया, जोगिंदर हरिजन आदि मौजूद रहे।

चिलचिलाती कड़ी धूप में तीन घंटे खड़े हैं अधिकारी फिर मिली मोहलत ग्रामीणों ने सुनाया अपनी दुखड़ा

गोरखपुर/स्टोर पर ड्राइवर चालकों ने किया प्रदर्शन बंधे पर नागरिक और अधिकारियों के बीच गहमा गहमी शहर के वार्डो में कूड़े का अंबार कहते हैं कि अगर कुछ करने की इच्छा हो तो मंजिल मिल जाएगी लेकिन इरादा कुछ और होता है हकीकत में कुछ और इसी तरह का नगर निगम विभाग विगत 2 वर्षों से कूड़ा गिराए जाने को लेकर मोहलत पर मोहलत का सिलसिला देखने को मिला है आज कूड़ा गिराए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन गहमागहमी के बीच पूरा 3 घंटे लग गया सिर्फ मोहलत ही मिली और शहर के विभिन्न वार्डों में चौराहों पर कूड़े का अंबार रहा आनन-फानन में विभाग के अधिकारी मौके स्थल पर जाकर नागरिकों से वार्ता किया ऊपर से चिल्लाती धूप छूटे पसीने इसी तरह का मामला प्रकाश में आया है।

दो वर्षों से कूड़े के निस्तारण को लेकर अधिकारियों की मंथन हम लोग कर रहे प्रयास

नगर निगम प्रशासन ने गिराए जाने को लेकर जमीन की तलाश के मुद्दे पर विभाग में सिर्फ बैठक मीटिंग और सड़कों पर घूम कर उनकी तलाश के लिए मंथन है हालांकि विभाग ने कार्यकारिणी की बैठक में एजेंडे में शामिल कर के सदस्यों की संस्तुति चाहे बिक जाए थी लेकिन नहीं हो पाई जब मौके पर आज पहुंचे नागरिकों से वार्ता किया तो फिर 3 महीने की मोहलत ले लिया क्योंकि विधि का प्रक्रिया है इसलिए देर हो सकती है बहुत जल्दी इसका निस्तारण कर लिया जाएगा।

नागरिकों ने सुनाया अपनी पीड़ा वार्ड नंबर 19 के अंतर्गत बंदे के किनारे रहने वाले नागरिकों ने पिछले 2019 में एवं 20 में काफी विरोध प्रदर्शन किया पिछले वर्ष क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि के नेतृत्व मेंकाफी

लड़ाई लड़ी थी 2020 में दूसरी बार प्रदर्शन करके विरोध प्रकट किया आज जब वाहन को नहीं आने दिया गया आला अफसर मौके पर पहुंचे और कूड़ा गिराने के लिए पूरा जोर लगाया और कूड़ा गिराया मौके पर पहुंचे ग्रामीण वासी उनको देखकर अधिकारी किनारे हट गए पुलिस फोर्स पहुंचने पर मौके पर बुलाकर वार्ता किया काफी धूप तेज थी पसीने छूट रहे थे इसी बीच अपनी पीड़ा को भी कह रहे थे इतनी तेज धूप है साहब इतनी हमारी पीड़ा भी है। पहुंचे मौके पर अधिकारियों को कहा कि सफाई नहीं होती है गंदगी का अंबार नहीं दवा का छिड़काव होता है जिस पर जितनी तेज धूप थी उसी प्रकार अधिकारी लोग फोन करके दवा छिड़काव के गेम को बुलाया और दवा छिड़काव कराया अगर इसी तरह तेजी कर देते समस्या समाधान हो जाता।

जब कर्मचारियों का पता चला विरोध प्रदर्शन तो निकले अधिकारी आज सुबह 8॰00 बजे मे हवा स्टोर पर वाहन चालकों ने विरोध प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया कहा कि प्रशासन जैसा व्यवस्था करेगा उसी तरह उसका समाधान किया जाएगा 11:00 बजे ड्राइवरों की थोड़ी राहत मिली वाहन चालक पूरा स्थल पर गिराने के लिए पहुंचे तो थोड़ी सुकून मिला

इस संबंध में ड्राइवर संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र पांडेय टोनी एवं महामंत्री शक्ति मिश्रा का कहना है। कि हम लोग अपने परिवार के अंग है पीड़ा सबको है ग्राम वासियों की थी पीड़ा हम लोग के तक नहीं पहुंच आती है क्या करें मजबूर हैं नगर निगम प्रशासन एवं वार्ड के क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिअनुरोध करते हैं कि नागरिकों की जनहित देखते हुए इसका समाधान शीघ्र कराएं जिससे ड्राइवरों को कुछ राहत मिल सके।

मजबूर थे कर्मचारी कूड़ा चौराहे पर गिराने के लिए

क्षेत्र से निकलने वाले कूड़े को लेकर पड़ावों स्थल पर पहुंचने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी इधर देखो उधर से फोन आवे भैया जल्दी कूड़ा उठाओ क्षेत्र से उठाकर गिराने वाले स्थल पर जाते जाते कर्मचारी के छूटे पसीने

फिर हाल आज चिलचिलाती धूप में अधिकारियों की 3 घंटे की मेहनत पर ही मोहलत फिर मिली और वार्ता के दौरान अधिकारियों ने अपनी विधिक प्रक्रिया को बताया तो दूसरी ओर वाडो के निकलने वाले कूड़े को लेकर कर्मचारी परेशान रहे ड्राइवर अलग कुछ इसी तरह का दिन बिता अच्छे दिन बीतने है तो अच्छी सोच का पहल के साथ इसका निस्तारण करने के लिए ठोस निर्णय लेना होगा। अब देखना है कि विभागीय अधिकारियों ने इस मुद्दे को लेकर कितना जल्दी हाल करते हैं क्योंकि आने वाले हैं पर्व।

अखिलेश यादव का योगी सरकार पर तंज, कहा न चली तानाशाही

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला है। दरअसल अखिलेश यादव न हाल ही में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बयान को लेकर योगी सरकार पर हमला बोला है। जिसमें केशव प्रसाद मौर्य ने कहा था कि सरकारी नौकरी में 5 साल की संविदा और 50 साल में रिटायरमेंट वाली बात निराधार है। प्रदेश के युवाओं के आंदोलन व सरकारी अधिकारियों-कर्मचारियों की सुलगती नाराजगी के दबाव में भाजपा सरकार संविदा व 50 साल सेवानिवृत्ति के मामले में हारकर पीछे हटी है व पराजय छुपाने के लिए विपक्ष पर राजनीति करने का बहाना बना रही है। हालांकि अब इस फैसले पर अखिलेश यादव ने कहा है कि योगी सरकार को हारकर पीछे हटना पड़ा है और हार छुपाने के लिए विपक्ष पर राजनीति करने का बहाना बना रही है।

आप के सांसद संजय सिंह बोले

सदन का सत्र खत्म होने के बाद लखनऊ में दूंगा गिरफ्तारी

लखनऊ, संवाददाता। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह अब सदन का सत्र खत्म होने के बाद राजधानी लखनऊ के हजरतगंज थाने में बयान दर्ज कराने आएंगे। उन्होंने कहा कि मैं तो गिरफ्तारी देने को तैयार था, लेकिन प्रदेश सरकार बयान लेने को तैयार नहीं है। कोई बात नहीं सदन का सत्र खत्म होने के दो दिन बाद हजरतगंज थाने आ जाऊंगा। उधर, प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य और उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह के खिलाफ दर्ज देशद्रोह के मुकदमे को लेकर आर-पार के संघर्ष का ऐलान किया है। प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह का कहना है कि अगर प्रदेश की बदहाल कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाना देशद्रोह

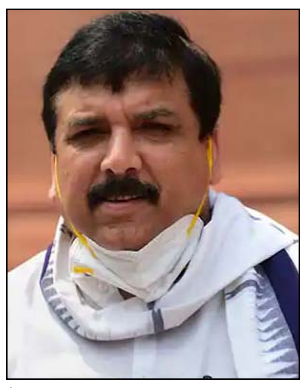

है, आए दिन हो रही ब्राह्मणों की हत्या का मुद्दा उठाना देशद्रोह है, दलित, पिछड़ों के अपहरण और हत्या तथा उत्पीड़न का मुद्दा उठाना देशद्रोह है। कोरोना काल में उपकरणों की खरीद में महाघोटाले और महा भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाना देशद्रोह है, तो पार्टी ये देशद्रोह करती रहेगी। प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत ने बताया कि देशद्रोह मामले में प्रदेश प्रभारी और राज्य सभा सांसद संजय सिंह 20 सितंबर को दिल्ली से आना था, लेकिन हजरतगंज पुलिस ने ई-मेल भेजकर सदन सत्र के दो दिन बाद आकर बयान दर्ज कराने को कहा है। उन्होंने कहा कि हजरतगंज थाने में कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए नोटिस का जवाब देंगे और अपनी गिरफ्तारी भी देंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि सांसद और प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने ब्राह्मण, दलित, पिछड़े और व्यापारी समाज के साथ हो रहे अन्याय को उठाया है, इसलिए बयान लेने के लिए बुलाया जा रहा है। आरोप लगाया कि प्रदेश में कोरोना घोटाला किया गया है? 800 रुपये का आक्सीमीटर 5000 रुपये में खरीदा। इसी तरह थर्मामीटर में कमीशन खाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि सदन का सत्र खत्म होने के दो दिन बाद प्रदेश प्रभारी को लखनऊ आना है। इसलिए अभी से आंदोलन की रणनीति तैयार कर ली गई है। अभी फिलहाल आंदोलन जो 20 सितंबर को होना था, उसे निरस्त कर दिया गया है। नई रणनीति के तहत जिला स्तर पर आप कार्यकर्ता विरोध जताएंगे। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के मुताबिक, प्रदेश सरकार एक देशद्रोही को आखिर खुलेआम कैसे घूमने दे रही है। देशद्रोही सदन के सत्र में भी शिरकत कर रहा है। फिलहाल मुझे मेल द्वारा सूचना दी गई है कि बयान दर्ज कराने सदन खत्म होने के दो दिन बाद आऊ। अब मैं चार अक्टूबर को हजरतगंज थाने पहुंच जाऊंगा।

सृजन ऑनलाइन संडे स्पेशल शास्त्रीय संगीत शो होनहारों के नाम रहा

लखनऊ, संवाददाता। सृजन फाउंडेशन की ओर से संडे स्पेशल शो हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के होनहारों के नाम रहा। इसमें आकर्ष सिंह सूर्यवंशी, एमन जावेद फारुकी और मीथिका द्विवेदी ने एक बढ़कर एक हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की रचनाएं सुनाकर आश्वत किया कि भारतीय उन्नत शास्त्रीय संगीत युवा पीढ़ी के हाथों में पूर्ण रूप से सुरक्षित है। आकर्ष सिंह सूर्यवंशी ने राग केदार में मशहूर रचना 'लागा चुनरी में दाग' और बालीवुड फेम 'अलबेला सजन आयो रे' सुनाकर आयोजन को परवान पर पहुंचाया। इसके साथ ही एमन जावेद फारुकी ने राग मिश्र बिलावल में 'कू-कू बोले कोयलिया' सुनाकर प्रशंसा हासिल की। इस क्रम में मीथिका द्विवेदी ने राग यमन में बड़ा ख्याल और छोटा ख्याल पेश किया। इसमें स्वरों का आरोह-अवरोह में खासी परिपक्वता दिखी। सृजन फाउण्डेशन के अध्यक्ष डॉ.अमित सक्सेना, ने बताया कि फेसबुक लिंक के माध्यम से संचालित इस ऑनलाइन शो में वॉटसऐप नम्बर 8887934036 के माध्यम से जुड़ा जा सकता है।

उपचुनाव को लेकर योगी ने की बैठक, कार्यकर्ताओं संग तालमेल मजबूत करने का दिया निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में 8 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सरगर्मी तेजी से बढ़ती जा रही है। ऐसे में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आवास पर उपचुनाव को लेकर महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। बैठक में उन्होंने महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। बैठक में सीएम ने कार्यकर्ताओं के साथ तालमेल ठीक करने, प्रशासनिक अड़चनों को दूर करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही सभी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के साख ही संबंधित जिलों के प्रभारी मंत्री भी मौजूद रहे।

एमिटी विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ परिसर द्वारा 21 सितंबर से पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। "फार्मास्यूटिकल शोधकार्यों में उभरते नये औजार एवं परम्पराएं" विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में फार्मेसी से जुडे संकाय सदस्यों और अध्यापकों को इस क्षेत्र में होने वाले नवीनतम गतिविधियों से परिचित कराया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारम्भ ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके के सेंटर फार फार्मास्यूटिकल इंजीनियरिंग साइंस, स्कूल ऑफ फार्मेसी के निदेशक डा. अनंत पराडकर बतौर मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को देश और विदेश के ख्यातिलब्ध विशेषज्ञों से चर्चा करने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग में 54,120 शिक्षक, शिक्षिकाओं के अन्तर्जनपदीय स्थानान्तण

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग में 54,120 शिक्षक, शिक्षिकाओं के अन्तर्जनपदीय स्थानान्तण की अनुमति प्रदान की गई है। इस स्थानान्तरण में शिक्षक,शिक्षिकाओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। स्थानान्तण की यह प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संचालित की गई। यह स्थानान्तरण मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में शिक्षकों, शिक्षिकाओं की सहूलियतों के मद्देनजर किया गया है। इस स्थानान्तरण को मूर्त रूप देकर पूरे देश में एक मिसाल स्थापित की गई है। यह जानकारी देते हुए आज यहां राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि एन0आई0सी0 के सॉफ्टवेयर के माध्यम से स्थानान्तण सम्बन्धी सभी आवेदन पत्रों को वैज्ञानिक आधार पर पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए स्वीकार किया गया। इस स्थानान्तरण प्रक्रिया में 28,306 महिला तथा 25,814 पुरुष शिक्षक लाभान्वित हुए हैं। इनमें 917 शिक्षकध्शिक्षिकाएं सशस्त्र बलों के जवानों के परिवारों से जुड़े हैं, जिन्हें यह सुविधा प्राथमिकता के आधार पर बिना शर्त प्रदान की गई। इनके अलावा, दिव्यांगजन श्रेणी के 2,285 स्थानान्तरण सम्बन्धी आवेदन पत्रों को स्वीकार करते हुए उन्हें स्थानान्तरित किया गया तथा गम्भीर व असाध्य बीमारी से ग्रसित 2,186 लोगों को स्थानान्तरण का लाभ दिया गया।

यूपीएसईई में 28 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने छोड़ी परीक्षा

लखनऊ, संवाददाता। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि की उत्तर प्रदेश राज्य प्रवेश परीक्षा 2020 का आयोजन रविवार की सुबह किया गया। परीक्षा सुबह 9.00 बजे से शुरू हुई। अभ्यर्थियों को एक घंटा पहले रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए। 12.00 बजे खत्म हुई परीक्षा में करीब 71.5: परीक्षार्थी शामिल हुए। प्रवक्ता आशीष मिश्रा ने बताया कि प्रदेश के बाहर कुल 206 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, इसमें 187 परीक्षा केंद्र प्रदेश में एवं 19 परीक्षा केंद्र प्रदेश के बाहर बनाये गये हैं, प्रदेश के बाहर दिल्ली, चंडीगढ़, देहरादून, पटना, मुम्बई, भोपाल, जयपुर, रांची, रुड़की, कलकत्ता में परीक्षा केंद्र हैं। उन्होंने बताया कि समस्त परीक्षा केन्द्रों पर विधिवत सेनेटाइजेशन एवं सोशल डिस्टेंसिंग की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा तीन पालियों में सम्पन्न करवाई जाएगी।

डीएम ने ने केकेसी पहुंचकर आरओ-एआरओ परीक्षा का लिया जायजा

लखनऊ, संवाददाता। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने केकेसी में आज संपन्न कराई जा रही समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण कर केंद्र व्यवस्थापकों को कहा कि कोविड प्रोटोकॉल का हर हाल में पालन किया और कराया जाए। केकेसी में सीसीटीवी के माध्यम से परीक्षा की स्मार्ट मॉनिटरिंग भी की जा रही है। डीएम ने परीक्षा के सुचारू संचालन के संबंध में एग्जामिनेशन रूम, परीक्षा पर्यवेक्षकों की व्यवस्था, सीसीटीवी के माध्यम से हर क्लासरूम की मॉनिटरिंग को देखा। विद्यालय के कंट्रोल रूम में जाकर सीसीटीवी से सभी परीक्षा कक्षों की व्यवस्था को भी देखा। जिलाधिकारी ने कहा कि कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी लोग सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर रखें। डीएम ने देखा कि उक्त परीक्षा केन्द्र में प्रत्येक कक्ष में क्षमता से कम परीक्षार्थी बैठे पाए गए हैं, ताकि सोशल डिस्टेंसिंग बनी रहे। डीएम ने विद्यार्थियों से भी संवाद किया और मास्क लगाने एवं सैनिटाइजर का समय समय पर उपयोग करने को कहा। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए डीएम ने बताया कि आज लखनऊ जनपद के 121 परीक्षा केन्द्रों पर आरओ एवं एआरओ की परीक्षा चल रही है। केंद्र व्यवस्थापकों को पूर्व में ही निर्देश दे दिए गए थे कि सभी विद्यार्थियों के बीच कम से कम 2 गज की दूरी रहे। परीक्षा देने के लिए मास्क लगाना अनिवार्य रहे। परीक्षा दो पालियों में संपन्न कराई जा रही है। उक्त परीक्षा में 57758 परीक्षार्थियों के सापेक्ष प्रथम पाली में कुल 20802 परीक्षार्थी उपस्थित रहे।

पारा में एक युवक ने खुद को गोली मार दी जान

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में रविवार तड़के सुबह एक युवक ने खुद को गोली मार आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पारा पुलिस ने युवक को जिला अस्पताल ले गई, लेकिन वहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हालांकि, मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस अफसरों ने फॉरेंसिक टीम की मदद से मामले की जांच कर रही है। मामला पारा थाना क्षेत्र के बादलखेड़ा गांव की है। जहां हरदोई के अतरौली का रहने वाला सोनू शुक्ला (32) नाम के युवक ने रविवार सुबह पिस्तौल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। फायरिंग की आवाज सुनकर परिवार में कोहराम मच गया। कमरे के अंदर खून से लथपथ सोनू शुक्ला पड़ा था। उसके बगल में पिस्टल बरामद की गई है और साथ ही युवक के हाथ में मोबाइल भी

मिला है। सूचना मिलते ही पारा थाने की पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने कमरे की पड़ताल की जहां पर उसे तमंचा मिल गया। पुलिस की पुछताछ में भतीजे ने बताया कि बंदूक गेट पर पड़ी होने के कारण कमरे में रख दी गई। भतीजे ने बताया कि युवक मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। वह काफी समय से बीमार चल रहा था, और वह कल डॉक्टर के यहां से इलाज करवाके आया था। दिन वह सामान्य थे, रात के उन लोगों ने साथ में खाना भी खाया। जिकसे बाद देर रात मृतक का भाई और भतीजा छत पर सेने चले गए थे। पुलिस ने बताया कि सोनू का लंबे समय से किसी बात को लेकर पत्नी के साथ विवाद चल रहा था। इससे उसकी पत्नी नाराज हो गई और उसने मायके चली गई।

यात्रियों को 1200 पैकेट बिस्कुट एवम् 1200 पानी की बोतलों की आपूर्ति कराई

लखनऊ, संवाददाता। यात्री सेवा की दिशा में प्रतिबद्धता से समर्पित उत्तर रेलवे,लखनऊ मंडल सदैव अपनी उत्कृष्ट सेवाओं को प्रदान करते हुए सतत् प्रयत्नशील रहता है एवम् इसी के अनुसरण में कल फूलपुर-प्रयाग रेलखण्ड के थरवई स्टेशन पर परिचालन संबंधी कारणों से वाराणसी से चलकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाली गाड़ी संख्या 01072 कामायनी एक्सप्रेस को थरवई स्टेशन पर रोक दिया गया। अतः इस अप्रत्याशित ठहराव को देखते हुए मंडल द्वारा अपने सम्मानित यात्रियों की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखकर त्वरित कार्यवाही करते हुए यात्रियों हेतु 1200 पैकेट बिस्कुट एवम् 1200 पानी की बोतलों की तत्काल आपूर्ति कराई गई ताकि यात्रीगण सुविधापूर्वक यात्रा कर सकें। रेलवे के इस कार्य की प्रशंसा करते हुए यात्रियों द्वारा रेलवे के प्रति कृतज्ञ आभार व्यक्त किया गया।

राजधानी के पॉश इलाकों में गड्ढा युक्त है सड़कें, मलबे से पाटकर चला रहे काम

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में योगी आदित्यनाथ के सामने तीन साल बाद भी ऐसी कई चुनौतियां बरकरार हैं जिसे दूर करने का बीजेपी ने वादा किया था। राजधानी भर की सड़कें जगह-जगह से उधड़ गई है। वही कागजों पर सड़कों की मरम्मत का काम हो रहा है। लखनऊ के पॉश इलाकों की सड़कें जर्जर हालत में हो चुकी हैं। इन गड्ढों में मलबा और पत्थर डालकर काम चलाया जा रहा है। वहीं डिप्टी सीएम ने सभी सड़कों की मरम्मत कर नए कीर्तिमान स्थापित करने की बात कही है। जबकि पीडब्ल्यूडी विभाग अभी भी काम शुरू नहीं कर सका है। नगर अभियंताओं द्वारा सूची तैयार की जा चुकी है। दरअसल, राजधानी भर की सड़कें इस वर्ष के मानसून में बुरी हालत में तब्दील हो चुकी हैं। राजधानी के गोमती नगर जैसे पॉश इलाके में सड़कों का बुरा

हाल है। वही मुख्य मार्ग भी अब जर्जर स्थिति में हो गए हैं। कई जगह आईटीएमएस की लाइटें लगाने के लिए सड़कों की कटिंग तो की गई लेकिन मरम्मत का काम ना होने से सड़के और अधिक जर्जर होती जा रही हैं। एसीपी गोमती नगर कार्यालय के सामने की सड़क भी खस्ताहाल हो चुकी है। राजधानी के कैसरबाग में उच्च न्यायालय के सामने की सड़कें पूरी तरह से जर्जर हो चुकी हैं। आए दिन यहां पर ट्रैफिक दबाव रहता है। सड़कों पर गिट्टी ढ़केली रहती हैं जिसके कारण आए दिन घटनाएं होती रहती हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग जान कर भी अंजान बना हुआ है। हालांकि विभाग ने सभी सड़कों की सूची बना ली है लेकिन अभी तक मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हो सका है। एक बार फिर 15 अक्टूबर तक सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए युद्ध स्तर पर अभियान किया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी विभाग डीसीएम केशव प्रसाद मौर्य के आवाहन पर सड़कों की मरम्मत करने के लिए 15 अक्टूबर तक सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए युद्ध स्तर पर अभियान चलाने की बात कर रहा है। लेकिन कहीं ना कहीं बजट के अभाव में यह काम अभी भी नहीं शुरू हो सका है।

मुख्यमंत्री ने कौशाम्बी में गंगा नदी में डूबने से हुई युवतियों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद कौशाम्बी में गंगा नदी में डूबने से हुई युवतियों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को इस दुर्घटना में प्रभावित परिवारों को समुचित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में तीन युवतियों समेत सात बच्चे गंगा नदी में डूब गए। इनमें से तीन की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। जबकि चार को मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बचा लिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बता दें मामला पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के कुरई घाट का है। पूरामुफ्ती के नूरपुर (मोहिउद्दीनपुर) गांव की आशा देवी (14) पुत्री देशराज कक्षा आठ की छात्रा थी। रविवार सुबह वह कक्षा पांच में पढ़ने वाली अपनी चचेरी बहन सीता (12) पुत्री मायाराम, कक्षा नौ में पढ़ने वाली ममेरी बहन मीनू(15) पुत्री मान सिंह के साथ स्नान करने कुरई गंगा घाट गई थी। साथ में चार अन्य बच्चे भी नहा रहे थे। नहाने के दौरान सभी सातों बच्चे अचानक गहरे पानी में समा गए। यह देख आसपास के लोगों ने शोर मचाया। शोर-शराबे पर जुटे ग्रमीणों ने नदी में कूदकर बाकी चार बच्चों को सकुशल निकाल लिया। जबकि आशा, सीता और मीनू की मौत हो गई, तकरीबन आधे घंटे बाद उनके शव निकले गए। हालांकि परिजन तीनों किशोरियों को लेकर नजदीकी निजी अस्पताल गए। जहां चेकअप के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से पीड़ित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दर्दनाक हादसे की जानकारी मिलते ही एसडीएम चायल ज्योति मौर्य, सीओ चायल डॉ. केजी सिंह फोर्स संग मौके पर पहुंचे। परिवार वालों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया।

निर्देशक मधुर भंडारकर की योगी से हुई मुलाकात,फिल्म सिटी पर हुई चर्चा

लखनऊ, संवाददाता। महाराष्ट्र में हंगामे के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में सबसे बड़ी फिल्म सिटी बनाने की घोषणा की है। इसके बाद से सीएम योगी को शनिवार से ही बड़ी संख्या में बधाई मिल रही है। प्रख्यात फिल्म निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से रविवार को उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान यूपी में फिल्म सिटी निर्माण को लेकर अहम चर्चा भी हुई। यूपी में फिल्म सिटी की घोषणा के बाद अभिनेत्री कंगना राणौत समेत कई फिल्मी हस्तियां सीएम योगी के एलान की सराहना कर चुके हैं। प्रदेश में फिल्म सिटी निर्माण को लेकर भंडारकर ने मुख्यमंत्री से भेंट के दौरान कई अहम चर्चा की। इसके बाद योगी ने मधुर भंडारकर को अयोध्या के राम मंदिर के प्रसाद के तौर पर सिक्का, रामचरित मानस, तुलसी माला और भव्य दिव्य कुम्भ की कॉफी टेबल बुक भेंट की। आपको बता दें कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने कहा था कि देश को एक अच्छी फिल्म सिटी की जरुरत है। उत्तर प्रदेश यह जिम्मेदारी को लेने को तैयार है। हम देश की सबसे खूबसूरत फिल्म सिटी तैयार करेंगे। इसकी स्थापना के लिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना एक्सप्रेसवे का क्षेत्र बेहतर होगा। फिल्म सिटी, फिल्म निर्माताओं को बेहतर विकल्प उपलब्ध कराएगा। रोजगार सृजन की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी प्रयास होगा। उन्होंने इसके लिए भूमि के विकल्पों के साथ यथाशीघ्र कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद फिल्म अभिनेत्री कंगना रणौत ने देश की सबसे खूबसूरत फिल्म सिटी बनाने के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एलान का स्वागत करते हुए शनिवार को कंगना रानौत ने ट्वीट किया। फिल्म अभिनेत्री कंगना रणौत ने ट्वीट में लिखा कि 'मैं इस घोषणा की सराहना करती हूं, योगी आदित्यनाथ जी। हमें फिल्म उद्योग में कई सुधारों की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद अयोध्या में एक सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने सभी घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। अयोध्या में रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। रौनाही थाने से लगभग डेढ़ किलोमीटर पहले फैजाबाद की तरफसोहावल चौराहे के पास ट्रक और ऑटो में टक्कर हो जाने के कारण चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मुख्यमंत्री ने कृषि बिल का स्वागत किया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश में कृषि सुधार के दो महत्वपूर्ण विधेयकों-'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, 2020' तथा 'कृषक (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020' का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह विधेयक कृषि क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने वाले सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों का प्रतिबिंब देखा जा सकता है। इन विधेयकों को कृषि क्षेत्र में नए युग का आरम्भ करने वाला बताते हुए उन्होंने कहा कि यह विधेयक किसान बहनों-भाइयों के हितों का संरक्षण सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस प्रयास को लोक कल्याणकारी बताते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार ज्ञापित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दोनों विधेयक पूर्ण रूप से कृषि और कृषकों के हित में हैं।

यह किसानों की आय में कई गुना वृद्धि करने वाली सिद्ध होंगे। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऐतिहासिक एवं अभिनव कदम भी बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसानों को कानूनी बंधनों से आजादी मिलेगी, कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन आएगा, खेती-किसानी में निजी निवेश होने से तेज विकास होगा तथा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। कृषि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत होने से देश की आर्थिक स्थिति और सुदृढ़ होगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, 2020 कृषि उपज के कुशल, पारदर्शी और बाधारहित अंतर-राज्य और राज्य के भीतर व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देगा। इससे किसानों को बिक्री और खरीद हेतु पसंद की स्वतंत्रता प्राप्त होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों की आय को दोगुनी करने के संकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विधेयक किसानों के हित में हैं। प्रधानमंत्री ने ही फसलों के समर्थन मूल्य में अभूतपूर्व और ऐतिहासिक वृद्धि करते हुए त्वरित व पारदर्शी प्रक्रिया से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान केंद्र व राज्य सरकार किसान हितों के संरक्षण के लिए कृतसंकल्पित हैं। किसानों को उनकी उपज की पूरी कीमत प्राप्त होगी। वहीं, इन विधेयकों के विरोध में कतिपय राजनीतिक दलों द्वारा की जा रही टिप्पणियों को मुख्यमंत्री जी ने भ्रमित करने का कुत्सित प्रयास बताया है। उन्होंने किसान बहनों-भाइयों से अपील की है कि वह किसी के बहकावे में न आएं। कुछ लोगों को कृषकों की उन्नति रास नहीं आती। यह वही लोग हैं जिन्होंने बीते छः-सात दशकों तक किसानों को महज वोट बैंक समझा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण और उनकी आय को दोगुना करने के लिए कृतसंकल्पित है।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छ स्टेशन दिवस का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अंतर्गत उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल द्वारा इस पखवाड़े के पंचम दिवस पर स्वच्छता एवं साफ-सफाई संबंधी कार्यकलापों तथा गतिविधियों की श्रृंखला के अंतर्गत आज के दिवस के दिन को स्वच्छ स्टेशन दिवस के रूप में मनाया गया, आज के इस विशेष दिवस पर मंडल के ए-1 एवं ए श्रेणी के स्टेशनों के अतिरिक्त अन्य समस्त स्टेशनों की स्वच्छता एवं साफ-सफाई के सम्बन्ध में अनेक कार्यकलापों को अत्यंत क्रमबद्ध एवं सुनियोजित रूप से कार्यान्वित किया गया, 'जीरो वेस्ट एफर्ट' जैसे विशेष पहलुओं पर ध्यानाकर्षण करते हुए एवं स्टेशनों पर स्वच्छता के निर्धारित मानकों के शत प्रतिशत अनुपालन की अनिवार्यता को दृष्टिगत रखते हुए सम्पूर्ण स्टेशन एवं परिसर में व्यापक स्तर पर स्वच्छता का अभियान संचालित किया गया साथ ही सोलर ऊर्जा उपकरणों की क्रियाशीलता को भी परखा गया।

शेरवुड कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट इंदिरा नगर में यूपी एस ई ई की परीक्षा देकर बाहर आते छात्र-छात्राएं।

क्या कठमुल्लाओं की साजिश का शिकार है इस्लामी जगत

पाकिस्तान के महानगर कराची में गत 11-12 सितंबर को सुन्नी (अहल-ए-सुन्नत) मुसलमानों के विभिन्न संगठन जिस समय सामूहिक रूप से एक विशाल प्रदर्शन पाकिस्तान के शिया समुदाय को लक्ष्य बनाते हुए आयोजित कर रहे थे और कई वक्ता जिनमें अधिकांशतः मौलवी,मुफ्ती,हाफिज व कारी आदि ही थे,लाखों की भीड़ को देखकर उत्साहित होते हुए पूरी दुनिया को मुसलमानों की ताकत दिखाते हुए श्ललकारश् रहे थे ठीक उसी दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक ट्वीट से दुनिया को यह सूचित कर रहे थे कि - श्आज एक और ऐतिहासिक सफलता! हमारे दो महान दोस्त इजरायल और बहरीन साम्राज्य एक शांति समझौते के लिए सहमत हैं- 30 दिनों में इजरायल के साथ शांति बनाने वाला दूसरा अरब देश! राष्ट्रपति ट्रंप बताना चाह रहे थे कि जिस तरह गत माह संयुक्त अमीरात अर्थात यूएई, इजराइल के साथ अपने संबंध सामान्य करने पर राजी हो गया था उसी तरह अब बहरीन साम्राज्य ने भी शांति समझौता कर इजराईल से अपने मधुर रिश्ते बना लिए हैं। गौर तलब हैं कि यू ए ई व बहरीन जैसे सुन्नी बाहुल्य व सुन्नी शासकों द्वारा शासित साम्राज्य उन्हीं अरब देशों में शामिल हैं जो दशकों से यह कहते रहे हैं कि जब तक फिलिस्तीनियों को उनके अधिकार नहीं मिल जाते तब तक इस्राईल का बहिष्कार भी जारी रहेगा तथा उसके साथ किसी भी तरह के संबंध बहाल करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। आश्चर्य है कि पाकिस्तान के जो कठमुल्ला अपनी ताकत का प्रदर्शन कर पूरे विश्व को सुन्नी मुस्लिम एकता का सन्देश दे रहे थे साथ साथ पाकिस्तान के शियाओं को भी धमका व ललकार रहे थे उनकी इस श्महा शक्ति का एहसास यू ए ई व बहरीन के सुन्नी शासकों को क्यों नहीं हुआ? जो कठमुल्ले वक्ता उसी मंच से अमेरिका पर भी निशाना साध रहे थे उसी अमेरिकी साजिश का शिकार आखिर मध्य पूर्व के दो प्रमुख सुन्नी साम्राज्य कैसे हो गए ? इस्लाम के इन सुन्नी झंडा बरदारों ने आखिर उसी इस्राईल के सामने घुटने क्यों टेक दिए जो दशकों से अरब की सर जमीन पर कब्जा करते हुए फिलिस्तीनियों के अधिकारों का हनन करता आ रहा है?कराची में 11 सितंबर को इकट्ठी हुई बेरोजगारों की भीड़ तथा इन्हें गुमराह कर पाकिस्तान में भी अस्थिरता की साजिश रचने वाले मुट्ठी भर कठमुल्लाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे जिस शिया समुदाय को अल्पसंख्यक होने के कारण पाकिस्तान में आँखें दिखा रहे हैं वही शिया बाहुल्य देश ईरान इस समय दुनिया का अकेला ऐसा देश है जो अमेरिका और इस्राईल की आँखों की किरकिरी बना हुआ है। वजह साफहै कि फिलिस्तीन के मुद्दे पर ईरान का जो नजरिया कल था वही आज है जबकि मुस्लिम जगत का ठेकेदार बनने वाले मौका परस्त अरब देशों का फिलिस्तीन के प्रति नजरिया अमेरिका व इजराईल के प्रति घुटने टेकने वाला है जिसके चलते फिलिस्तीनी अवाम आज पहले से ज्यादा फिक्रमंद नजर आने लगी है। बहरहाल, अमेरिका-इस्राईल साजिश के तहत बुलाई गयी इस रैली में जिसे श्नामूस-ए-सहाबाश् रैली का नाम दिया गया था,मुस्लिम वहाबी वर्ग के लोगों की बहुसंख्या थी परन्तु सुन्नी एकजुटता दिखाने के लिए कुछ बरेलवी व अहले हदीस समुदाय के वक्ता जरूर बुलाए गए थे। इस रैली में जो नारे बार बार लगाए जा रहे थे उनमें अहले बैत (हजरत मोहम्मद के परिजन), खास तौर पर हजरत इमाम हुसैन,हजरत अब्बास सभी के जिंदा बाद के नारे लगाए जा रहे थे साथ साथ इमाम हुसैन के कातिल यजीद के मुर्दाबाद व उसपर लानत भेजने वाले गगनभेदी नारे भी लग रहे थे। इन नारों पर शिया व सुन्नी दोनों समुदायों को कोई भी आपत्ति नहीं है। सुन्नी समुदाय को सबसे बड़ी आपत्ति इस बात को लेकर है कि शिया समुदाय के लोग पैगंबर हजरत मोहम्मद के देहांत के बाद एक के बाद एक कर बनाए गए चार खलीफाओं में से पहले तीन यानी हजरत अबू बक्र,हजरत उमर व हजरत उस्मान को अपना खलीफा मानने से इनकार करते हैं ,इतना ही नहीं बल्कि चौथे खलीफा हजरत अली को भी मानते तो हैं परन्तु सुन्नी समुदाय द्वारा स्वीकृत चौथे खलीफा के रूप में नहीं बल्कि इमामत के सिलसिले के पहले इमाम के रूप में। इसी तरह यजीद के वालिद हजरत मुआविया को भी शिया समाज स्वीकार नहीं करता जबकि सुन्नी समुदाय हजरत मुआविया को भी सहाबी-ए-रसूल और अमीर-मुआविया के रूप में पूरे सम्मान व श्रद्धा की नजरों से देखता है। शिया समाज का मानना है कि हजरत मोहम्मद चूंकि अपने जीवन में स्वयं अपना उत्तराधिकारी हजरत अली को हज के दौरान गदीर के मैदान में सार्वजनिक रूप से नियुक्त कर गए थे इसलिए पैगंबर के देहांत के बाद उनके निर्देशों की अवहेलना करना व उनके देहांत के बाद स्वयंभू रूप से चुनाव कर खिलाफत का सिलसिला शुरू करना कतई तौर पर पैगंबर हजरत मोहम्मद के निर्देशों व उनकी इच्छाओं की अवहेलना है।और करबला की घटना के बाद यही वैचारिक जंग इतनी आगे बढ़ गयी जिसने पूरे विश्व में मुस्लिम जगत में विभाजन की दो गहरी लाइनें खींच दीं। पैगंबर हजरत मोहम्मद,उनकी बेटी हजरत फातिमा उनके पति हजरत अली व उनके दोनों बेटों हजरत इमाम हसन व हुसैन (अहल-ए-बैत) को मानने वाले तथा इसी सिलसिले को आगे बढ़ने वाली इमामत परंपरा का अनुसरण करने वाले शिया कहे गए जबकि खिलाफत परंपरा को मानने वाले तथा यजीद के वालिद मुआविया को अमीर-ए-मुआविया स्वीकार करने वाले सुन्नी जमाअत के लोग हैं। इन दोनों समुदायों को एक दूसरे से समस्या इस बात को लेकर है कि प्रायः अनेक शिया मौलवी व वक्ता अपने प्रवचन के दौरान विशेषकर मुहर्रम के दिनों में आयोजित होने वाली मजलिसों के दौरान तीनों खलीफाओं व मुआविया सहित कुछ ऐसे लोगों के इतिहास खंगालने लगते हैं जिन्हें सुन्नी समुदाय के लोग मान सम्मान की नजरों से देखते हैं। प्रचलित भाषा में इसे तबर्रेबाजी कहा जाता है। जबकि शिया उलेमा कहते हैं कि वे जो कुछ भी बयान करते हैं वह एक सच्चाई है। शिया सुन्नी मतभेदों को बढ़ने में जहाँ पश्चिमी ताकतें सक्रिय रहती हैं वहीँ समय समय पर अरब हुकूमत या अरब द्वारा प्रसारित वहाबी विचारधारा ने भी कई बार जलती आग में घी डालने का काम भी किया है। मिसाल के तौर पर मदीना स्थित सबसे पहले व सबसे प्राचीन कब्रिस्तान जिसे जन्नतुल बकी कहा जाता है,में स्थित पैगंबर हजरत मोहम्मद के परिजनों के मकबरों व मजारों को वहाबी विचारधारा के लोगों द्वारा 1804 ईस्वी में ध्वस्त कर दिया गया। इसके बाद इसी वहाबी गिरोह ने मक्का में भी जन्नतुल मुल्ला नामक कब्रिस्तान में हजरत मोहम्मद व हजरत अली के कई रिश्तेदारों के मकबरों व कब्रों को तहस नहस किया। फिर 21 अप्रैल 1925 को इसी जहरीली विचारधारा ने पैगंबर मोहम्मद की बेटी व हजरत अली की पत्नी हजरत फातिमा,उनके बेटे हजरत इमाम हसन व इमाम हुसैन तथा शियों के चौथे इमाम व हजरत हुसैन के पुत्र हजरत जैनुल आबिदीन व हजरत इमाम बाकर के मकबरों,उनके घरों व उनके स्मारकों को भी तबाह व बर्बाद कर दिया गया। करबला से लेकर अरब की सर जमीन तक समय समय पर वहाबियों द्वारा अंजाम दी जाने वाली इस तरह की घटनाओं ने ही इन दोनों शिया व सुन्नी समुदायों के बीच की दरार और गहरी करने का काम किया है। परन्तु इन सभी हकीकतों के बावजूद ईरान में इस्लामी क्रांति के सूत्र धार आयतुल्ला इमाम खुमैनी से लेकर भारत में शिया विद्वान मौलाना कल्बे सादिक तक ने और जामा मस्जिद के पूर्व इमाम स्व अब्दुल्ला बुखारी व भारत व पाक में सक्रिय बरेलवी विचारधारा के अनेक आलिमों का यह मंतव्य रहा है कि वर्तमान वैश्विक राजनीति के मद्देनजर मुसलमानों के इन दोनों प्रमुख वर्गों को अपने मतभेदों को पीछे छोड़ केवल इस्लाम व मुसलमान की बात करनी चाहिए।

सम्पादकीय

बहुजन राजनीति के उद्भव और पतन की कहानी के सूत्र

यह कहानी शुरू होती है, आरपीआई से. आरपीआई यानी रिपब्लिकन पार्टी, जिसके बढ़ते प्रभाव और जबरदस्त भूमि आन्दोलन ने कांग्रेस का सिंहासन हिला दिया था. कांग्रेस के लिए आरपीआई को खत्म करना या तोड़ना जरूरी था.कांग्रेस ने आरपीआई के बिकाऊ नेताओं को पकड़ा. और वह उसे कमजोर करने में कामयाब हो गई. देश भर में आरपीआई का ढांचा बिखर गया,कांग्रेस के सिंहासन के दलित, पिछड़े, मुस्लिम और सवर्ण चार पाए थे. इन चारों पायों पर आरएसएस की तीखी नजर थी. कांग्रेस को खत्म या कमजोर करने के लिए दलित, पिछड़े और मुस्लिम इन तीन पायों को तोड़ना जरूरी था. इसके बिना हिन्दू राजनीति सत्ता में नहीं आ सकती थी,इसी दौरान आरएसएस को बिल्ली के भाग्य से छींका हाथ लगा, या छींका उसी ने तैयार किया. यह विश्लेषण का विषय है. बिल्ली के भाग्य से इसी दौरान मुलायम सिंह यादव समाजवादी बनकर पिछड़ों के नेता के रूप में उभर कर आ गए. इसी दौरान बहुत सोच समझ कर मंदिर आन्दोलन खड़ा किया गया. कांग्रेस के नरसिम्हा राव, जो हिंदूवादी थे, आरएसएस के बहुत काम आए. अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिरा दी गई. और एक ही झटके में देश भर का मुसलमान कांग्रेस से अलग हो गया. कांग्रेस के सिंहासन का एक पाया तोड़ने में आरएसएस सफल हो गया.

कांशीराम और मुलायम सिंह यादव ने मिलकर चुनाव लड़ा, और उत्तर प्रदेश से कांग्रेस का सफाया हो गया. नंगे-भूखों ने साइकिल से और पैदल घूम घूम कर विजय हासिल कर ली,सपा-बसपा ने मिलकर कांग्रेस के दलित, पिछड़े और मुस्लिम तीनों पायों को तोड़ दिया. भाजपा तो वैसे भी दौड़ में नहीं थी, पर वह कांग्रेस की हार पर खुश थी. कांग्रेस के तीनों पाए टूटने के बाद कांग्रेस का सवर्ण पाया तो भाजपा का ही था,अब जरूरत थी, आरएसएस को दलित-पिछड़ों को भाजपा से जोड़ने की, सवर्ण उसके साथ था ही, मुसलमानों की उसे जरूरत नहीं थी. आरएसएस के इस काम में काम आए कांशीराम,कांशीराम ने आरएसएस और भाजपा से समझौता किया. कांशीराम के तीन पाए थे दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक. कांशीराम ने मुलायम सिंह यादव से गठबंधन तोड़कर भाजपा से हाथ मिला लिया और और इस हाथ ने मुसलमानों को बसपा से दूर कर दिया. बसपा का एक पाया टूट गया, जो आरएसएस भी चाहता था. मुसलमान सपा से जुड़ गया, इसके सिवा उसके पास कोई विकल्प भी नहीं था,बसपा के पास अब भी कुछ पिछड़ा वोट था. उसे खत्म करने में बाबू सिंह कुशवाहा और स्वामी प्रसाद मौर्य को बसपा से ठिकाने लगाने का काम हुआ, जिसमे भाजपा को पूरी सफलता मिली,मायावती भाजपा के सहयोग से तीन बार मुख्यमंत्री बन चुकी थीं, उनकी गठबंधन सरकार में भाजपा शामिल थी. भाजपा ने मायावती को पूरी छूट दी. मायावती भ्रष्टाचार करती रहीं,और भाजपा उसका पूरा बहीखाता तैयार करके अपने पास रखती रही, ताकि सनद रहे और वक्त पर काम आवे. इसी 'सनद' के बल पर मायावती ने पिछले लोकसभा के चुनावों तक भाजपा का कार्ड खेला. अब भी यह सनद मायावती से वही कराएगी, जो भाजपा चाहेगी, वरना वे जानती है, लालू यादव आज कहाँ है,यादव वोट को विभाजित करने के लिए शिवपाल सिंह यादव का समाजवादी मोर्चा अस्तित्व में आ ही गया है. जाटव वोट को विभाजित करने के लिए चन्द्रशेखर रावण को दो महीने पहले ही रात के 12 बजे छोड़ने का और कोई कारण समझ में नहीं आ रहा है. पिछड़ों में मौर्य, कुशवाहा, सैनी, काछी, लोधी में कोई प्रतिरोध का नेतृत्व नहीं है, इसलिए वे सब भाजपा के साथ हैं,67 दलित जातियों में जाटव या चमार को छोड़कर शेष वाल्मीकि, खटिक, पासी, धानुक, धोबी, आदि में भी कोई प्रतिरोध का नेतृत्व नहीं है, इसलिए वे सब भी भाजपा के साथ हैं। क्या अब भी किसी को संदेह है कि 2019 में क्या होने वाला है, (यह बहुजन राजनीति का अद्यतन इतिहास संक्षिप्त सूत्रों में है. इस पर अगर विस्तार से लिखा गया, तो एक किताब बन जाएगी)

किसान हित की फर्जी आड़

यदि किसान अपने हित की अनदेखी करके आढ़तियों और बिचौलियों के हितों की चिंता करने लगेंगे तो इससे उनका ही नुकसान होना है। भाजपा के सहयोगी शिरोमणि अकाली दल की ओर से कृषि से जुड़े विधेयकों के विरोध में उतर आने के बाद यह साफ है कि कृषि सुधार की पहल एक राजनीतिक मुद्दा बन गई है। इसी साल जून में जब ये विधेयक अध्यादेश के रूप में आए थे, तब शिरोमणि अकाली दल ने न केवल उनका समर्थन किया था, बल्कि पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की इसके लिए आलोचना भी की थी कि वह गलतबयानी करके किसानों को गुमराह कर रहे हैं, लेकिन इन विधेयकों के संसद में पेश होने के बाद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा इसीलिए आया, क्योंकि पंजाब में कांग्रेस कृषि विधेयकों को कुछ ज्यादा ही तूल दे रही है। वास्तव में जब शिरोमणि अकाली दल को यह लगा कि कांग्रेस के असर में आए राज्य के किसान उससे नाराज हो सकते हैं तो उसने हरसिमरत कौर को त्यागपत्र देने को कह दिया। यह हास्यास्पद है कि अब इस दल के नेता यह कह रहे हैं कि इन विधेयकों पर उससे राय नहीं ली गई। इससे ज्यादा हास्यास्पद यह है कि कांग्रेस ने बड़ी सफाई से यह भूलना पसंद किया कि 2019 के लोकसभा चुनाव में उसने अपने घोषणा पत्र में यह लिखा था कि वह कृषि उत्पाद बाजार समिति कानून यानी एपीएमसी एक्ट को खत्म करके कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री को प्रतिबंधों से मुक्त करेगी। महज डेढ़ साल में उसने यू-टर्न ले लिया, क्योंकि उसे यह लग रहा है कि वह किसानों को उकसाकर अपना राजनीतिक उल्लू सीधा कर सकती है। हालांकि फिलहाल कृषि विधेयकों का विरोध पंजाब और हरियाणा में अधिक है, लेकिन अगर देश के अन्य हिस्सों के किसान उनके विरोध में उतरे तो यह मोदी सरकार के लिए वैसा ही चुनौतीपूर्ण मसला बन सकता है, जैसा भूमि अधिग्रहण कानून बना था और जिससे उसे पीछे हटना पड़ा था। सरकार को यह पता होना चाहिए था कि कृषि विधेयकों को लेकर कुछ राजनीतिक दल और किसान संगठन किसानों को भड़काकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए किसानों को बरगला सकते हैं। अच्छा यह होता कि कृषि सुधारों संबंधी अध्यादेश जारी करने के बाद भाजपा किसानों तक अपनी पहुंच बढ़ाती और मंडी समितियों में आढ़तियों और बिचौलियों के वर्चस्व को खत्म करने वाले कानूनों को लेकर उनके संदेह को दूर करती। कम से कम अब तो यह काम किया ही जाना चाहिए, ताकि विपक्षी दलों के दुष्प्रचार को बेनकाब किया जा सके। विपक्षी दल भले ही किसानों के हित की बात कर रहे हों, लेकिन सच यह है कि वे आढ़तियों और बिचौलियों के वर्चस्व को बनाए रखने के पक्ष में खड़े हो गए हैं। इसे इससे समझा जा सकता है कि कृषि विधेयकों का सबसे ज्यादा विरोध पंजाब और हरियाणा में हो रहा है, जहां आढ़तियों और बिचौलियों का वर्चस्व कहीं ज्यादा मजबूत है। विपक्षी दल कुछ भी कहें, इसमें संदेह नहीं कि कृषि उत्पाद बाजार समिति कानून यानी एपीएमसी एक्ट जिस उद्देश्य के लिए बनाया गया था, वह पूरा नहीं हो पा रहा, क्योंकि मंडी समितियों में आढ़तियों और बिचौलियों का वर्चस्व कायम हो गया है। मुश्किल यह है कि किसान और खासकर छोटे किसान इससे अवगत नहीं कि नई व्यवस्था किस रूप में काम करेगी। वे इसके बावजूद अनाज की बिक्री के मामले में बड़े किसानों का अनुसरण करते हैं कि सभी किसानों को अपनी उपज पर एमएसपी नहीं मिल पाता। बहुत कम किसान हैं, जो एमएसपी का लाभ उठा पाते हैं, क्योंकि भारतीय खाद्य निगम यानी एफसीआइ एक सीमा तक ही कृषि उपज की खरीद कर पाता है। कृषि उपज का एक बड़ा हिस्सा आढ़ती ही खरीदते हैं। ऐसा लगता है कि किसान नई व्यवस्था का विरोध महज इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि एक तो वे उसके तौर-तरीकों से परिचित नहीं और दूसरे, वे इसे लेकर सुनिश्चित नहीं कि इससे उन्हें वास्तव में लाभ होने वाला है।

देश में करीब 80-85 प्रतिशत किसान छोटे किसान हैं, लेकिन वे यही मानकर चलते हैं कि खेती-किसानी के मामले में बड़े किसान जो कुछ कहते हैं, वही उनके हित में होता है। उचित यह होगा कि सरकार एमएसपी को लेकर फैलाई जा रही अफवाहों का खंडन करने के साथ ही ऐसी कोई कानूनी पहल करे, जिससे किसानों के समक्ष यह साफहो सके कि इस व्यवस्था को खत्म करने की बातें कोरी अफवाह हैं। आम तौर पर यह माना जाता है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा मिलने से किसानों को लाभ मिलेगा, लेकिन ध्यान रहे कि यह उद्योग तो यही पसंद करेगा कि उसे कच्चा माल यानी कृषि उत्पाद कम से कम दामों में मिले। निरूसंदेह इस उद्योग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, लेकिन यह सुनिश्चित करते हुए कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले और नई व्यवस्था में किसानों की सौदेबाजी की क्षमता कमजोर होने के बजाय बढ़े। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जब भी कोई उपज अनुमान से अधिक हो जाती है तो उसके दाम गिर जाते हैं और किसान उसे औने-पौने दाम में बेचने को बाध्य होते हैं। ऐसा इसलिए भी होता है, क्योंकि आम तौर पर किसानों को यह पता नहीं रहता कि उनके लिए कौन सी फसल उगाना लाभकारी होगा? इस समस्या का भी समाधान खोजा जाना चाहिए। इसके लिए एमएसपी व्यवस्था को लेकर उपजे संदेह को दूर करने का काम प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए। कृषि विधेयकों पर सरकार अपने फैसले से इसलिए पीछे नहीं हट सकती, क्योंकि 2022 करीब आ रहा है और उसने यह वायदा किया हुआ है कि तब तक किसानों की आय दोगुनी कर दी जाएगी।

बवाल के बोल

टीआरपी की भूख इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को किस हद तक पहुंचा देती है, उसकी बानगी एक चौनल द्वारा गढ़ी गई सनसनीखेज कहानी और उसके खिलाफ उपजी देशव्यापी प्रतिक्रिया से नजर आती है, जिसको लेकर देश की शीर्ष अदालत ने गंभीर टिप्पणियां की हैं और मीडिया की निरंकुश भूमिका को लेकर सवाल उठाये हैं। अदालत का मानना है कि ऐसे प्रयासों से सूचनाओं की विश्वसनीयता और सटीकता को आंच आती है। इस बाबत दायर याचिका के बाद शीर्ष अदालत ने एक चौनल के बिंदास बोल कार्यक्रम के प्रसारण पर रोक लगा दी है। अदालत का मानना था कि चौनल ने विभाजनकारी सोच के चलते 'यूपीएससी जिहाद' जैसे कार्यक्रम के प्रसारण का प्रयास किया। अदालत का मानना रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ में असत्य तथ्यों को पेश करके एक संस्था की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचाने के साथ सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश हुई है। दरअसल, कार्यक्रम के जरिये यह दिखाने का प्रयास किया गया कि संप्रदाय विशेष के लोगों को देश की उच्च प्रशासनिक सेवा में कुछ छूट के साथ सुनियोजित तरीके से प्राथमिकता दी जा रही है। इस स्थिति को गंभीर चुनौती बताते हुए शीर्ष अदालत ने सुझाव दिया कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को स्व-विनियमन करने में मदद के लिए विशेषज्ञों का एक पैनल स्थापित किया जाये। यह भी कि विधायी जांच और संतुलन के बावजूद स्थिति केवल खराब से और बदतर ही होती चली गई है। वहीं अदालत ने मीडिया पर बाहरी अंकुश की बात को सिरे से खारिज किया क्योंकि यह कालांतर में अभिव्यक्ति की आजादी का अतिक्रमण ही होगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1995 में लागू केबल टेलीविजन नेटवर्क विनियमन अधिनियम अधिकारियों को उन कार्यक्रमों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है, जिनकी वजह से सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न होने की आशंका हो। इससे पहले सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शिकायतों के बावजूद इस चौनल के कार्यक्रम को प्रसारण की अनुमति दे दी थी कि इससे प्रोग्राम कोड का उल्लंघन नहीं होता। यह विडंबना ही है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पिछले कुछ समय से अनेक प्रकरणों में अतिरंजित प्रसारणों से सभी सीमाएं लांघता नजर आता है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु और उसके बाद सीबीआई की जांच प्रक्रिया के घटनाक्रम पर अतिरंजित कवरेज न्यायिक जांच के दायरे में आ सकती है। निस्संदेह टीआरपी की होड़ से ऐसे मामलों में जांच की दिशा प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है क्योंकि चौनल अदालत खोलकर खुद फैसले देने का उपक्रम करने लगते हैं। अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ लेकर स्वच्छंदता से सूचनाओं की सटीकता व तथ्यों की पवित्रता को आंच आती है। देश का संविधान व्यक्ति के सार्वजनिक अधिकार, शालीनता व नैतिकता के अतिक्रमण पर राज्य को हस्तक्षेप का अधिकार देता है। अभिव्यक्ति की आजादी वहीं तक हो सकती है, जहां तक वह दूसरे व्यक्ति की निजता और मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण न करती हो, जिसकी रक्षा का दायित्व राज्य का है और उसकी निगरानी का अधिकार न्यायिक संस्थाओं को है। कई बार सरकारों की उदासीनता के चलते न्यायालयों ने ऐसे मामलों में हस्तक्षेप करके निरंकुशता पर अंकुश लगाने की पहल भी की है। निस्संदेह अभिव्यक्ति की आजादी और अन्य संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के मध्य संतुलन बनाने की जरूरत है। यहां इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को आत्मनियंत्रण की राह चुननी होगी। उन्हें विचार करना होगा कि आखिर क्यों उनकी विश्वसनीयता में गिरावट आ रही है। वहीं इस मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि पहले डिजिटल मीडिया का नियमन होना चाहिए, क्योंकि उसकी पहुंच टीवी और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से ज्यादा होती है जो सोशल मीडिया के जरिये वायरल होकर ज्यादा घातक परिणाम दे सकता है। इसलिए प्रभाव और क्षमता को देखकर नियमन होना चाहिए। तर्क दिया गया कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रिंट मीडिया के संबंध में पहले ही पर्याप्त रूपरेखा और न्यायिक घोषणाएं विद्यमान हैं। केंद्र सरकार की ओर से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा दायर हलफनामे में इस मामले में न्याय मित्रों की कमेटी बनाने का आग्रह भी किया गया है।

सार समाचार ....

केकेआर के कोच ब्रेंडन मैक्कुलम ने कहा- टॉप ऑर्डर में बैटिंग कर सकते हैं आंद्रे रसेल

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2020 का आगाज हो चुका है। शनिवार को अबुधाबी में खेले गए पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हरा दिया। मुंबई का अगला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स यानी केकेआर से होगा। कोलकाता के कोच ब्रेंडन मैक्कुलम के मुताबिक वे आंद्रे रसेल को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोट कर सकते हैं। कोच के मुताबिक, कप्तानी के मामले में वे इयॉन मॉर्गन की मदद चाहेंगे।

आखिरी के 10 ओवर में रसेल खतरनाक

मीडिया से बातचीत में मैक्कुलम ने कहा, हमें इस बात पर गर्व है कि हमारे पास मजबूत टीम है। मैच के हिसाब से अपने विकल्पों का अच्छा इस्तेमाल करेंगे। रसेल ने पिछले सीजन में 50 से ज्यादा छक्के लगाए थे। रसेल का खेल, टी-20 के आखिरी 10 ओवरों के हिसाब का है। आखिरी 10 ओवरों में रसेल कंट्रोल अपने हाथ में ले लेते हैं। इसलिए उन्हें टॉप ऑर्डर में लाया जा सकता है।हम हिटिंग के लिए रसेल के अलावा और भी विकल्प चाहते हैं।

मैक्कुलम के मुताबिक, इंग्लैंड के वर्ल्ड कप विनर कप्तान इयोन मोर्गन के आने से मिडल ऑर्डर मजबूत हुआ है। लीडरशिप को लेकर मैक्कलम ने कहा ÷मोर्गन ने विश्व कप जीता है और वह इंग्लैंड के लिए शानदार कप्तान रहे हैं, दिनेश कार्तिक के पास भी लंबा अनुभव है, हम मोर्गन और दिनेश कार्तिक से लीडरशिप में मदद चाहते हैं÷। रसेल ने अबतक 64 मैच खेल कर 186.41 के स्ट्राइक रेट से 1 हजार 400 रन बनाए हैं, जिसमें 96 चौके और 120 छक्के शामिल हैं। रसेल अबतक 8 अर्धशतक लगा चुके हैं। मॉर्गन का आईपीएल करियर 52 मैचों का है, उन्होंने 121.13 की स्ट्राइक रेट 854 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने 72 चौके और 34 छक्के लगाए हैं।अनुभव के हिसाब से देखा जाए तो कार्तिक के पास सबसे लंबा अनुभव है। कार्तिक ने आईपीएल में अबतक 182 मैच खेले कर 129.8 की स्ट्राइक रेट से 3 हजार 654 रन बनाए हैं। अबतक के आईपीएल करियर में कार्तिक के बल्ले से 357 चौके और 101 छक्के निकल चुके हैं, कार्तिक ने अभी तक शतक का खाता नहीं खोला है लेकिन 18 शानदार अर्धशतक लगाए हैं।

पहली जीत के बाद धोनी ने कहा- अनुभव हमेशा काम आता है

आईपीएल के पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के जीत के बाद टीम के कैप्टन महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि अनुभव हमेशा काम आता है। उन्होंने कहा कि टीम के अनुभव ने जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। यह अनुभव आपको बहुत सारे गेम खेलने के बाद आता है। आप उस अनुभव से सीखते हैं। उन्होंने कहा कि 300 मैच खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है।

उनकी टीम को अभी कुछ सुधार करने की जरूरत है। धोनी ने कहा, काफी सकारात्मक पक्ष रहे लेकिन कुछ टाइमिंग को लेकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा बाद में खेलते हुए ओस पड़ने तक थोड़ा मूवमेंट रहता था। ऐसे में अगर आपके पास विकेट बचे हों तो आप फायदे में रहते हो। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर नौ विकेट पर 162 रन बनाए।

धोनी ने रायडू और डु प्लेसिस की तारीफ

धोनी ने रायडू और डु प्लेसिस की साझेदारी को महत्वपूर्ण करार देते हुए कहा, हमारे गेंदबाजों को लय हासिल करने में समय लगा। रायडू ने फाफ के साथ बेहतरीन साझेदारी निभाई। हमारे अधिकतर खिलाड़ी संन्यास ले चुके हैं इसलिए अच्छी बात यह है कि हमारा कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं है। उन्होंने कहा कि मैदान पर उतरना अलग तरह का अहसास होता है।

रायडू और डु प्लेसिस के बीच 115 रन की साझेदारी 163 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली सीएसके की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने शुरुआती 2 ओवर में ही दो विकेट गंवा दिए थे। पारी को मैन ऑफ द मैच रहे अंबाती रायडू (71) और फाफ डु प्लेसिस (58) ने संभाला और तीसरे विकेट के लिए 115 रन की पार्टनरशिप की। इस जीत के साथ सीएसके 2 पॉइंट्स हासिल कर टैली में टॉप पर है। मुंबई का 2013 से लेकर अब तक अपना पहला मैच गंवाने का क्रम बरकरार रहा। रोहित ने कहा अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाने का नुकसानमुंबई इंडियंस टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि डेथ ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाने का उनकी टीम को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा, हमारा कोई भी बल्लेबाज डुप्लेसिस और रायडू की तरह नहीं खेल पाया। पहले दस ओवर में 86 रन बनाए थे। चेन्नई के गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की।÷ रोहित ने कहा, हमें इससे सबक लेने की जरूरत है। अभी शुरुआत है। हम भी अच्छी शुरुआत करना चाहते थे। इस तरह के टूर्नामेंट में यह महत्वपूर्ण होता है।

फास्ट डाउनस्विंग की वजह से शॉट के लिए ताकत मिलती है

भोपाल एजेंसी। धोनी का हेलीकॉप्टर शॉट क्रिकेट के सबसे मुश्किल शॉट्स में एक है, जिसे वे यॉर्कर गेंद पर खेलते हैं। जिसकी वजह से मलिंगा जैसे गेंदबाज के खिलाफ भी वे सफल रहते हैं। उन्हें बचपन के दोस्त संतोष लाल ने ये शॉट खेलना सिखाया था। 2013 में 32 साल की उम्र में संतोष की मौत हो गई थी। आईपीएल 2019 में हार्दिक पंड्या ने कई मौकों पर हेलीकॉप्टर शॉट खेला था। उनके अलावा कई अन्य बल्लेबाज भी अब यह शॉट खेलने लगे हैं।

किंग्स इलेवन पंजाब ने 6 साल पहले यूएई में 5 मैच जीते थे

इस बार बेहतरीन स्पिनर्स से सजी दिल्ली कैपिटल्स भारी पड़ सकती है। टीम में दिग्गज रविचंद्रन अश्विन, अमित मिश्रा और अक्षर पटेल जैसे अनुभवी स्पिनर्स हैं। इन्हें स्लो पिच पर काफी मदद मिलेगी और इनकी दम पर दिल्ली इस बार अपना पहला खिताब जीतने की भी पूरी कोशिश करेगी।

न्यूयॉर्क | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का दूसरा मैच किंग्स इलेवन पंजाब और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आज दुबई में खेला जाएगा। यूएई में पंजाब की टीम अब तक एक भी मैच नहीं हारी। टीम ने यहां 2014 में सभी 5 मैच में जीत दर्ज की थी। साथ ही पंजाब ने पिछले तीन सीजन में अपना पहला मैच जीता है। ऐसे में टीम अपने इस रिकॉर्ड को बरकरार रखना चाहेगी। इस बीच, शनिवार को प्रैक्टिस के दौरान दिल्ली के तेज गेंदबाज इशांत शर्मा चोटिल हो गए। उनके खेलने पर फैसला मैच के पहले ही होगा।

हालांकि, इस बार बेहतरीन स्पिनर्स से सजी दिल्ली कैपिटल्स भारी पड़ सकती है। टीम में दिग्गज रविचंद्रन अश्विन, अमित मिश्रा और अक्षर पटेल जैसे अनुभवी स्पिनर्स हैं। इन्हें स्लो पिच पर काफी मदद मिलेगी और इनकी दम पर दिल्ली इस बार अपना पहला खिताब जीतने की भी पूरी कोशिश करेगी। अश्विन पिछली बार पंजाब टीम के कप्तान थे।

यूएई में दिल्ली का खराब रिकॉर्ड

लोकसभा चुनाव के कारण आईपीएल 2009 में साउथ अफ्रीका और 2014 सीजन के शुरुआती 20 मैच यूएई में हुए थे। तब यूएई में दिल्ली का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा था। टीम ने तब यहां 5 में से 2 मैच जीते और 3 हारे थे।

इन रिकॉर्ड्स पर रहेगी नजर

लोकेश राहुल मैच में 23 रन बनाते ही आईपीएल में अपने 2 हजार रन पूरे कर लेंगे। वे ऐसा करने वाले 20वें भारतीय होंगे।

क्रिस गेल 16 रन बना लेते हैं तो लीग में 4500 या उससे अधिक रन बनाने वाले दूसरे विदेशी बन जाएंगे।?

100 छक्के का आंकड़ा छूने के लिए शिखर धवन को 4, जबकि ऋषभ पंत को 6 छक्के की जरूरत है।

हेड-टु-हेड

पंजाब की टीम ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 14 मैच दिल्ली के ही खिलाफ जीते हैं। दोनों के बीच अब तक 24 मुकाबले खेले गए। दिल्ली ने 10 मैच जीते हैं। पिछले सीजन में दोनों को एक-एक मैच में जीत मिली थी।

पिच और मौसम रिपोर्ट- दुबई में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 28 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। यहां हुए पिछले 61 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 55.74त्न रहा है।

इस मैदान पर हुए कुल टी-20- 61

पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती- 34

पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती- 26

पहली पारी में टीम का औसत स्कोर- 144

दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर- 122

दिल्ली अकेली टीम, जो अब तक फाइनल नहीं खेली

पंजाब और दिल्ली दोनों अब तक लीग का खिताब नहीं जीत सकी हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा की मालिकाना वाली पंजाब टीम अब तक एक ही बार 2014 में फाइनल खेल सकी और एक ही बार 2008 में सेमीफाइनल से बाहर हुई थी। वहीं, दिल्ली अकेली ऐसी टीम है, जो अब तक फाइनल नहीं खेल सकी। हालांकि, दिल्ली टूर्नामेंट के शुरुआती दो सीजन (2008, 2009) में सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

पंजाब में गेल, राहुल और मैक्सवेल पर अहम जिम्मेदारी

पंजाब टीम में इस बार नए कप्तान लोकेश राहुल के साथ सबसे अनुभवी दिग्गज वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के कंधों पर अहम जिम्मेदारी होगी। गेल ने लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा 326 छक्के और सबसे ज्यादा 6 शतक लगाए हैं। बॉलिंग डिपार्टमेंट में टीम के लिए मोहम्मद शमी और शेल्डन कॉटरेल अहम भूमिका में रहेंगे।

दिल्ली में युवा खिलाड़यों पर रहेगा दारोमदार

दिल्ली कैपिटल्स में युवा खिलाड़ियों पर अपनी टीम को जीत दिलाने का दारोमदार रहेगा। कप्तान श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत और पृथ्वी शॉ जैसे युवा बल्लेबाज टीम में की-प्लेयर हैं। इसके अलावा शिखर धवन, अजिंक्य रहाणे और अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी टीम को मजबूती प्रदान करेंगे।

बोपन्ना-शापोवालोव इटालियन ओपन से बाहर

रोम , (जी.एन.एस) भारत के रोहन बोपन्ना और कनाडा के डेनिस शापोवालोव की जोड़ी इटालियन ओपन टेनिस के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के जेरेमी चार्डी और फेब्रिस मार्टिन से हारकर बाहर हो गयी। दोनों को 6-4, 5-7, 7-10 से पराजय का सामना करना पड़ा। बोपन्ना और शापोवालोव ने दूसरे दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त जुआन सेबेस्टियन काबाल और कोलंबिया के राबर्ट फाराह को मात दी थी। बोपन्ना और शापोवालोव अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी हार गए थे।

चेन्नई की मुंबई पर जीत के बाद सैम करेन ने कहा- धोनी जीनियस

आईपीएल के पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स की मुंबई इंडियंस पर जीत के बाद सैम करेन ने धोनी की तारीफ की। और कहा कि माही जीनियस हैं। धोनी ने खुद न जाकर पहले उन्हें बैटिंग के लिए भेजा। धोनी के इस निर्णय पर वह बहुत सरप्राइज थे, लेकिन माही के दिमाग में कुछ खास चल रहा था, इसी वजह से धोनी ने बैटिंग ऑर्डर में प्रमोट कर उन्हें छठे नंबर पर भेजा। करेन ने कहा कि उन्हें लगता है कि इसकी वजह लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन हो सकती है। सैम ने कहा कि कुणाल पांड्या का 18 वां ओवर था, इस ओवर का वह ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाना चाहते थे।

मुंबई पर मानसिक बढ़त बनाने के लिए जडेजा और करेन को बैटिंग के लिए पहले भेजा

धोनी ने मुंबई इंडियंस के साथ पहले मैच में रविंद्र जडेजा और सैम करेन को प्रमोट कर बैटिंग ऑर्डर में अपने से पहले भेजा था। धोनी ने टीम के जीत बाद कहा कि मुंबई के पास दो स्पिनर बचे हुए थे। ऐसे में हमने मुंबई इंडियंस पर मानसिक रूप से बढ़त बनाने की योजना बनाई। इसके तहत जडेजा और सैम करेन फिट बैठते थे। इसलिए हमने इन्हें मौका दिया और बैटिंग ऑर्डर में प्रमोट करके पहले भेजा।

सैम करेन ने बनाए 18 रन

धोनी की सैम करेन को बैटिंग ऑर्डर में आगे भेजने का निर्णय सही साबित हुआ। सैम करेन ने 6 बॉल का सामना कर 18 रन बनाए। जिससे बाद के बल्लेबाजों को लक्ष्य हासिल करना आसान हो गया।

डु प्लेसिस और रायडू के बीच 115 रन की पार्टनरशिप

163 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली सीएसके की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने शुरुआती 2 ओवर में ही दो विकेट गंवा दिए थे। पारी को अंबाती रायडू (71) और फाफ डु प्लेसिस (58) ने संभाला और तीसरे विकेट के लिए 115 रन की पार्टनरशिप की।

चेन्नई सुपर किंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा ऑलराउंडर की वापसी में थोड़ा और वक्त

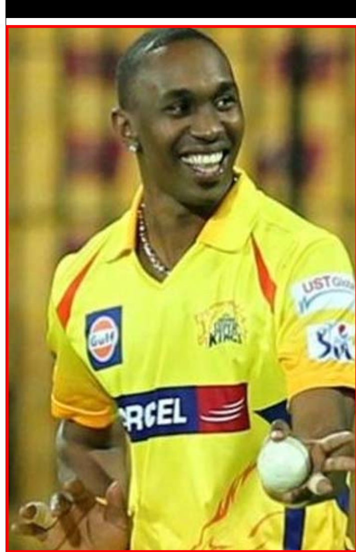

नई दिल्ली , एजेंसी।

चेन्नई और मुंबई के बीच शनिवार को अबुधाबी में खेले गए मैच में ड्वेन ब्रावो नहीं दिखे। मैच से पहले ही इंजर्ड होने की वजह से वह मैच का हिस्सा नहीं हो सके। धोनी ने ऑलराउंडर के तौर ब्रावो की जगह सैम करेन को मौका दिया। सैम करेन ने वह सबकुछ किया जो एक ऑलराउंडर टी20 फॉर्मेट में अपने टीम के लिए करना चाहता है। सैम करेन ने चार ओवर में 28 रन देकर एक विकेट लिया। धोनी ने अपने ऊपर बल्लेबाजी करने भेजा, वहां भी सैम करेन सही साबित हुए और 6 गेंदों में 18 बनाकर टीम को जीत के बहुत करीब लाकर खड़ा कर दिया।

ब्रावो की वापसी का क्या हुआ

सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने बताया कि टीम के स्टार ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो आईपीएल -13 के कुछ और मैचों में नहीं खेल पाएंगे। चोट से उबर रहे वेस्टइंडीज के इस अनुभवी खिलाड़ी के बगैर भी तीन बार की चैम्पियन सीएसके टीम ने आईपीएल की शुरुआत जीत के साथ की है।

टीम के कोच ने अंबाती रायडू की भी तारीफ की, रायडू ने 48 गेंदों में 71 रन बनाए। रायडू ने 58 रनों की नाबाद पारी खेलने वाले फाफ डुप्लेसिस के साथ शतकीय साझेदारी की, जिससे चेन्नई ने चार गेंदें पहले ही 163 रनों के लक्ष्य को पूरा कर लिया।

फ्लेमिंग ने कहा 'रायडू ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, वे काफी भावुक हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि यूएई के पिच पर रन बनाना मुश्किल है और उनकी टीम सही संतुलन हासिल करने का प्रयास कर रही है।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जेम्स पैटिंसन ने कहा कि वे भी पहले गेंदबाजी करना चाहते थे। ऑस्ट्रेलिया के इस तेज गेंदबाज ने कहा, हम भी पहले गेंदबाजी करना चाहते थे, रात के समय तापमान थोड़ा अधिक होने से मैदान पर ओस पड़ती है. इसलिए पहले गेंदबाजी करना फायदे की स्थिति होती है. दोनों टीमें पहले गेंदबाजी करना चाहती थी।

आईपीएल में लगातार 8वीं बार ओपनिंग मैच में हारी मुंबई इंडियंस

दिल्ली | एजेंसी।

मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच शनिवार को अबु धाबी में खेले गए आईपीएल-13 के पहले मैच में चेन्नई ने मुंबई को पांच विकेट से हरा दिया। मुंबई की इस हार ने आईपीएल में उसके पहले मैच में हारने के ट्रेंड को बरकरार रखा है। पिछले आठ साल से मुंबई आईपीएल का पहला मैच नहीं जीत पाई है। 2013 में पहला मैच हारने का सिलसिला शुरू हुआ, जो अब तक जारी है। लेकिन पिछले आठ में से चार खिताब मुंबई ने ही जीते। **मुंबई को 8 में से दो बार तो चेन्नई ने ही हराया** 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मुंबई को उसके पहले मैच में दो रनों से हराया था। 2014 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुंबई को 41 रनों से हराया था। 2015 में भी कोलकाता के हाथों मुंबई सात विकेट से हारी थी। 2016 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स ने मुंबई पर नौ विकेट से जीत हासिल की थी। 2017 में भी पुणे ने सात विकेट से मुंबई को हराया था। 2018 में लौटी चेन्नई ने पहले मैच में मुंबई को एक विकेट से मात दी और 2019 में भी दिल्ली कैपिटल्स ने रोहित की कप्तानी वाली टीम को 37 रनों से हरा दिया था। 2020 में भी कहानी नहीं बदली। धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई ने फिर मुंबई को सीजन की शुरुआत जीत से नहीं करने दी।

पिछले आठ सीजन से दो साल के अंतर से खिताब जीतते आई है मुंबई 8 सालों में मुंबई ने चार खिताब जीते। मुंबई पहली बार 2013 में आईपीएल विजेता बनी। उसके बाद हर एक सीजन को छोड़कर उसके आईपीएल जीतने का सिलसिला चलता रहा।

2013 के बाद 2015, फिर 2017 और 2019 में मुंबई ने

ओपनिंग मैच में डिफेंडिंग चैम्पियन मुंबई को दूसरी बार शिकस्त दी

नई दिल्ली | एजेंसी।

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 13वें सीजन के ओपनिंग मैच में मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हरा दिया। अबु धाबी में खेले गए मैच में टॉस हारकर मुंबई ने 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 162 रन बनाए थे। इसके जवाब में सीएसके ने 19.2 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 166 रन बनाए और मैच जीत लिया। चेन्नई ने आईपीएल के ओपनिंग मैच में डिफेंडिंग चैम्पियन मुंबई को दूसरी बार शिकस्त दी है। 163 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली सीएसके की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने शुरुआती 2 ओवर में ही दो विकेट गंवा दिए थे। पारी को अंबाती रायडू (71) और फाफ डु प्लेसिस (58) ने संभाला और तीसरे विकेट के लिए 115 रन की पार्टनरशिप की। इस जीत के साथ सीएसके 2 पॉइंट्स हासिल कर टैली में टॉप पर है। मुंबई इंडियंस के ट्रेंट बोल्ट, जेम्स पैटिंसन, जसप्रीत बुमराह, क्रुणाल पंड्या और राहुल चाहर ने 1-1 विकेट लिया।

मैन ऑफ द मैच- अंबाती रायडू

गेमचेंजर ऑफ द मैच- फाफ डू प्लेसिस

सुपर स्ट्राइकर ऑफ द मैच- क्विंटन डिकॉक

लेट्स क्रैक ए सिक्स- अंबाती रायडू

पावर प्लेयर ऑफ द मैच- क्विंटन डिकॉक

दोनों टीमों के बीच चौथी बार ओपनिंग मैच हुआ

सीएसके और मुंबई ने चौथी बार आईपीएल का ओपनिंग मैच खेला है। इसमें दोनों टीमें 2-2 मैच जीती हैं। मुंबई-चेन्नई के बीच आईपीएल का पिछला ओपनिंग मैच 2018 में हुआ था। तब भी चेन्नई ने रोमांचक मुकाबले में 1 विकेट से जीत दर्ज की थी। मुंबई ने अब तक सबसे ज्यादा 7 बार ओपनिंग मैच खेला है।

धोनी ने बतौर कप्तान चेन्नई को 100 मैच जिताए

धोनी ने बतौर कप्तान आईपीएल में सबसे ज्यादा 105 मैच जीते हैं। इसमें सबसे ज्यादा 100 मैच चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए जीते, जबकि 5 मैच राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स को जिताए हैं। दूसरे नंबर पर गौतम गंभीर का नाम है, जिन्होंने दिल्ली डेयरडेविल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते हुए 129 में से 71 मैच जीते हैं।

मुंबई के सौरभ ने 42 और डिकॉक ने 33 रन बनाए

रोहित शर्मा की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 162 रन बनाए थे। सौरभ तिवारी ने सबसे ज्यादा 42, क्विंटन डिकॉक ने 33, कीरोन पोलार्ड ने 18 और सूर्यकुमार यादव ने 17 रन की पारी खेली। वहीं, सीएसके के लिए लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट लिए। उन्होंने जेम्स पैटिंसन (11), कीरोन पोलार्ड (18) और क्रुणाल पंड्या (3) को आउट किया।

वहीं, सीएसके के रविंद्र जडेजा और दीपक चाहर ने 2-2 विकेट लिए। जडेजा ने सौरभ तिवारी (42) और फिर हार्दिक पंड्या (17) को आउट किया। फाफ डु प्लेसिस ने दोनों खिलाड़ियों के बाउंड्री पर शानदार कैच लिए। वहीं, दीपक ने सूर्यकुमार यादव (17) और ट्रेंट बोल्ट (0) को पवेलियन भेजा।

टूर्नामेंट की शुरुआत के इंट्रेस्टिंग फैक्ट्सडु प्लेसिस की पारी टर्निंग पॉइंट रही

शुरुआती दो ओवरों में दो विकेट गंवाने के बाद फाफ डु प्लेसिस ने चेन्नई सुपर किंग्स की पारी को संभाला। फाफ ने अंबाती रायडू के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 115 रन जोड़े। फाफ ने एक छोर को संभाले रखा और अंत तक नॉटआउट रहे। पहला चौका- मैच की पहली गेंद पर रोहित शर्मा ने लगाया। दीपक चाहर गेंदबाज थे। पहला छक्का- नौवें ओवर की दूसरी गेंद पर सौरभ तिवारी ने लगाया। रवींद्र जडेजा गेंदबाज थे। पहला विकेट- 5वें ओवर की चौथी गेंद पर पीयूष चावला ने रोहित शर्मा को आउट किया। पहला कैच- 5वें ओवर की चौथी गेंद पर सैम करन ने रोहित शर्मा के रूप में लपका। पहला डीआरएस- चेन्नई सुपर किंग्स ने पहली पारी के 14वें ओवर की चौथी गेंद पर लिया। पहली नो बॉल- दूसरी पारी में छठवें ओवर की आखिरी बॉल टीवी अंपायर ने नो बॉल दी थी। यह बुमराह का पहला ओवर था। धोनी ने कहा- इस बार सेट अप नया है टॉस के बाद धोनी ने सोशल डिस्टेंसिंग पर मजाकिया अंदाज में कहा था कि हम ये जानना चाहते थे कि स्लिप में फील्डर रख पाएंगे या नहीं। इस बार का सेट अप नया है। आइसोलेशन से लेकर प्रैक्टिस तक सबसे बहुत इंजॉय किया। टीम पूरी तरह से तैयार है। वहीं रोहित शर्मा ने पिछली बार की तुलना में इस बार यूएई में हम लगभग नई टीम के साथ खेल रहे हैं। ऐसे में हमें उम्मीद है कि यहां हमारा रिकॉर्ड सुधरेगा।

एनसीबी अधिकारियों के 55वें सवाल पर रिया चक्रवर्ती के हौसले हुए पस्त उगल दिया सच- हां मैं ड्रग्स लेती थी

आखिरकार रिया चक्रवर्ती ने एनसीबी के 55वें सवाल पर यह स्वीकार कर ही बैठी कि वह वास्तव में ड्रग्स ले रही थी।नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो सुशांत सिंह राजपूत की मौत में ड्रग्स एंगल की जांच कर रही है। इसी सिलसिले में रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। रिया से अधिकारियों ने 36 घंटों तक सवाल पूछे। 55वां सवाल था कि आप कितनी अच्छी एक्ट्रेस हैं।

रिया बोलीं- मैं बहुत अच्छी एक्ट्रेस हूं

रिपब्लिक टीवी के अनुसार रिया ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा - मैं बहुत अच्छी एक्ट्रेस हूं। तब अधिकारियों ने उसे बताया कि उसके लिए अभी एक्टिंग करने का सही समय नहीं है। इसके अलावा अधिकारियों ने रिया से यह

भी कहा कि ठीक है, अगर आप खुद ड्रग्स नहीं लेतीं तो फिर आप ड्रग पैडलर हैं यानी यह और भी ज्यादा गंभीर अपराध है। इसी सवाल के बाद रिया टूट गईं और यह कुबूल कर लिया कि वे ड्रग्स लेती थीं।

जमानत पर सुनवाई 29 सितंबर को होगी

रिया 22 सितंबर तक भायखला जेल में ही रहेंगी। एनसीबी ने रिया को ड्रग केस में संलिप्त पाए जाने के कारण गिरफ्तार किया था। रिया के अलावा उनका भाई शोविक, सुशांत का स्टाफ मैनेजर सैमुअल मिरांडा और दीपेश सावंत भी एनसीबी की कस्टडी में हैं। इन सभी की जमानत याचिका पर 29 सितंबर को सुनवाई होनी है।

करीना से ब्रेकअप के बाद शाहिद ने कहा था-अब मैं एक अच्छा प्रेमी नहीं बन पाऊंगा

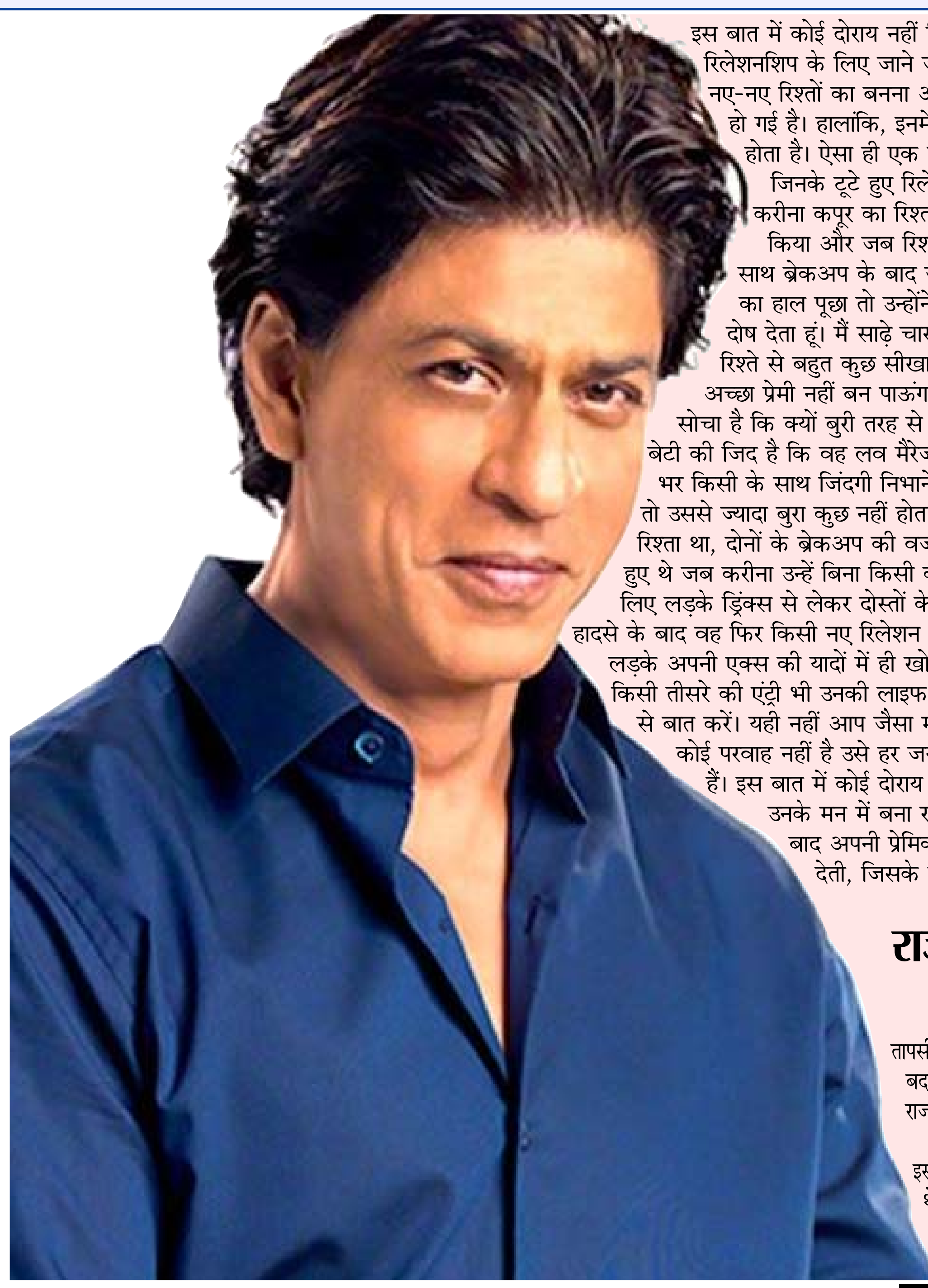

इस बात में कोई दोराय नहीं कि बॉलीवुड गलियारे में ऐसे कई कपल्स हैं, जो अपने परफेक्ट रिलेशनशिप के लिए जाने जाते हैं। इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता कि बी-टाउन में नए-नए रिश्तों का बनना और उनका साल दो साल में बिगडऩा भी अब एक आम सी बात हो गई है। हालांकि, इनमें कुछ रिश्ते ऐसे भी होते हैं, जिनके टूटने का गम हर किसी को होता है। ऐसा ही एक एक रिश्ता करीना कपूर खान और शाहिद कपूर के बीच भी था, जिनके टूटे हुए रिलेशन के किस्से आज भी याद किए जाते हैं। शाहिद कपूर और करीना कपूर का रिश्ता किसी से छिपा नहीं है, दोनों ने एक-दूसरे से खुलकर प्यार भी किया और जब रिश्ता टूटा तो उसकी खनक दूर तक सुनाई दी। हालांकि, बेबो के साथ ब्रेकअप के बाद जब अलग-अलग मौकों पर शाहिद कपूर से उनके टूटे हुए दिल का हाल पूछा तो उन्होंने जवाब दिया, मैं अपने आप को एक अच्छा बॉयफ्रेंड होने का दोष देता हूं। मैं साढ़े चार साल पुराने रिश्ते में था और बहुत कमिटेड था। खैर, मैंने उस रिश्ते से बहुत कुछ सीखा है और इसके साथ ही मैं कह सकता हूं कि अब मैं कभी एक अच्छा प्रेमी नहीं बन पाऊंगा। खैर, ये तो रही शाहिद-करीना की बात लेकिन कभी आपने सोचा है कि क्यों बुरी तरह से दिल टूटने के बाद लड़के दोबारा रिलेशन में नहीं आते.... मेरी बेटी की जिद है कि वह लव मैरेज ही करेगी, उसे अरेंज्ड मैरेज के लिए कैसे मनाऊं? जब जीवन भर किसी के साथ जिंदगी निभाने का वादा किया हो और पार्टनर अचानक से ही रिश्ता तोड़ दे, तो उससे ज्यादा बुरा कुछ नहीं होता। करीना कपूर खान और शाहिद कपूर के बीच भी एक ऐसा ही रिश्ता था, दोनों के ब्रेकअप की वजह आजतक साफ़ नहीं है। शाहिद उस समय बुरी तरह प्रभावित हुए थे जब करीना उन्हें बिना किसी कारण के छोड़ के चली गई थीं। हालांकि, ब्रेकअप से उबरने के लिए लड़के ड्रिंक्स से लेकर दोस्तों के साथ हैंगऑउट करने तक का उपाय आजमाते हैं लेकिन इस हादसे के बाद वह फिर किसी नए रिलेशन में बंधने को तैयार नहीं होते। कई रिश्तों में ऐसा देखा गया है कि बुरी तरह से दिल टूटने के बाद भी लड़के अपनी एक्स की यादों में ही खोए रहते हैं। ऐसे लड़कों के लिए ज़िंदगी का हर पल बेहद मुश्किल हो जाता है। यही नहीं, कई बार किसी तीसरे की एंट्री भी उनकी लाइफ को ट्रैक पर नहीं ला पाती। ऐसे में अगर आपके साथ भी ऐसा कुछ है तो सबसे पहले अपने दोस्तों से बात करें। यही नहीं आप जैसा महसूस करते उसे एक डायरी में लिखें, साथ ही साथ खुद को दोष देना बंद करें और जिन्हें आपकी कोई परवाह नहीं है उसे हर जगह से ब्लॉक करें। परिवार की दखलंदाजी के चलते भी लड़के किसी नए रिश्ते में आने से कतराते हैं। इस बात में कोई दोराय नहीं कि रिश्ता टूटने के बाद हर कोई उस मानसिक स्थिति से बचना चाहता है, जिसका डर हर पल उनके मन में बना रहता है। इस बीच ज्यादातर लड़के अपनी फैमिली से बातें शेयर करने से नहीं कतराते। ब्रेकअप के बाद अपनी प्रेमिका को वापस लाने के लिए भी बार-बार मिन्नतें करना भी लड़कों को इस गम से बाहर निकलने नहीं देती, जिसके चलते वह बुरी आदतों की लत में पड़ जाते हैं। ऐसे में समय में उनको अपनी एक्स को भुलाने का यही एकमात्र उपाय समझ में आता है।

राजकुमार हिरानी की अगली फिल्म में शाहरुख खान के ऑपोजिट दिखेंगी तापसी पन्नू?

तापसी पन्नू बॉलिवुड की सबसे टैलंटेड स्टार्स में से एक हैं। वह अपनी ऐक्टिंग से हमेशा फैंस को इम्प्रेस करती हैं। पिंक हो, बदला हो या फिर थप्पड़, उन्होंने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से लोगों का दिल जीता है। एक रिपोर्ट की मानें तो तापसी अब राजकुमार हिरानी की अगली फिल्म में शाहरुख खान के ऑपोजिट नजर आ सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो यह पहला मौका होगा कि जब तापसी किसी फिल्म में शाहरुख के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

इससे पहले शाहरुख के प्रॉडक्शन हाउस की फिल्म बदला में तापसी नजर आई थीं। इसमें अमिताभ बच्चन अहम रोल में थे। अब फैंस को शाहरुख और तापसी की फिल्म के ऑफिशल कन्फर्मेशन का बेसब्री से इंतजार है। वर्क फ्रंट की बात करें तो तापसी अब मर्डर मिस्ट्री हसीन दिलरुबा में विक्रांत मेसी के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह अपारशक्ति खुराना के साथ रश्मि रॉकेट में दिखेंगी।

मलाइका अरोड़ा को कोरोना से मिली निजात, लिखा- कमरे से बाहर आना आउटिंग जैसा

मलाइका अरोड़ा को बीते दिनों कोरोना का संक्रमण हुआ था। उनका कोरोना ठीक हो चुका है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिये इस बात की जानकारी दी है। साथ ही अपने फैन्स, फैमिली, फ्रेंड्स, डॉक्टर्स और बीएमसी को थैंक्स कहा है। मलाइका ने पड़ोसियों तक को कहा शुक्रिया मलाइका ने पोस्ट में लिखा है, मै फाइनली कई दिनों बाद अपने कमरे से बाहर आ गई हूं, यह अपने आप में एक आउटिंग जैसा है। कम से कम दर्द और दिक्कतों से गुजरने के बाद मैं इस वायरस से छुटकारा पाकर धन्य महसूस कर रही हूं। मेरे डॉक्टर्स को उनके मेडिकल गाइडेंस के लिए बड़ा धन्यवाद, इस प्रक्रिया

को झंझट से मुक्त बनाने के लिए बीएमसी का शुक्रिया। मलाइका ने परिवार, दोस्तों और पड़ोसियों के सपोर्ट के लिए भी शुक्रिया अदा किया। मलाइका ने सबसे सुरक्षित रहने की गुजारिश भी की।

सबसे कठिन काम बेटे से दूर रहना

मलाइका ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें मास्क लगाए दिखाई दे रही हैं। इससे पहले मलाइका ने बताया था कि क्वॉरंटीन के दौरान सबसे कठिन काम अपने बेटे से दूर रहना है। बताया था कि दोनों बाल्कनी से बातें करते हैं।

बिग बॉस 6 की कंटेस्टेंट सपना भवनानी करेंगी अपने साथ हुए शारीरिक शोषण की शिकायत

अनुराग कश्यप पर हाल ही में एक्ट्रेस पायल घोष ने शारीरिक शोषण करने के संगीन आरोप लगाए हैं जिसके बाद अब पॉपुलर हेयर स्टाइलिस्ट और बिग बॉस 6 की कंटेस्टेंट रह चुकीं सपना भवनानी ने भी अपने साथ हुए यौन शोषण पर आवाज उठाने का फैसला किया है। सपना ने पहला कदम उठाते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग को एक ट्वीट के जरिए इसकी जानकारी दी है। सेलेब हेयर स्टाइलिस्ट सपना इन दिनों कश्मीर में हैं जहां से उन्होंने अपने साथ हुए शारीरिक शोषण की जानकारी देते हुए लिखा, कश्मीर की सुबह और मीटू ट्रेंड कर रहा है। रेखा शर्मा (राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष) मुझे लगता है मैं उस व्यक्ति के खिलाफ एक ऑफिशियल शिकायत करने के लिए तैयार हूं जिसने मेरा शारीरिक, मानसिक और यौन शोषण किया और बाद में मुझे धमकी देकर शांत करवाने की कोशिश की। मैं एनसीडब्ल्यू के साथ इस प्रक्रिया को कैसे शुरू कर सकती हूं। सपना भवनानी के इस ट्वीट के सामने आते ही राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने उन्हें जवाब देते हुए लिखा, आप हमें विस्तार में शिकायत भेज सकती हैं या वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत भी कर सकती हैं। इसके जवाब में सपना लिखती हैं, धन्यवाद मैम। मैं अपनी कहानी को लेकर इतनी खामोश रही हूं कि भूल गई थी कि मेरे पास भी आवाज है। सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट सपना भवनानी ट्विटर पर काफी एक्टिव हैं और लगातार सोशल इश्यू और इंडस्ट्री की बहस में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेती हैं। कुछ महीनों पहले ही सपना और सिंगर सोना मोहापात्रा के बीच सोशल मीडिया पर जमकर बहस हुई थी। सोना ने बिकिनी पहने हुए कुछ तस्वीरें शेयर की थीं जिसके बाद सपना ने उनकी बॉडी शेमिंग की थी। अनुराग कश्यप पर पायल घोष ने लगाए संगीन आरोप हाल ही में एक्ट्रेस पायल घोष ने फिल्ममेकर अनुराग कश्यप पर उनके साथ जबरदस्ती करने के आरोप लगाए हैं। एक्ट्रेस ने तेलुगू न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में अनुराग पर शारीरिक शोषण के कई आरोप लगाए हैं जिसके बाद उन्होंने ट्विटर पर भी इसकी जानकारी दी है। अब इस मामले में अनुराग का भी बयान आ चुका है जिसमें उन्होंने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

इंदु की जवानी एक्टर आदित्य सील के पिता रवि सील का कोविड 19 से निधन

तुम बिन 2, और स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 में नजर आ चुके आदित्य सील के पिता रवि सील ने 18 सितम्बर को आखिरी सांसें ली हैं। एक्टर के पिता पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती थी। 6 सितम्बर को उनकी कोविड 19 रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी जिसके बाद उनका ट्रीटमेंट जारी था मगर इसी बीच उन्होंने दम तोड़ दिया। उनकी मौत का कारण कोविड 19 बताया जा रहा है।

हाल ही में टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में आदित्य के करीबी दोस्त ने इस खबर को कन्फर्म किया है। उन्होंने बताया, रवि अंकल 6 सितम्बर को कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे जिसके दो दिन बाद 8 सितम्बर को उन्हें नर्सिंग होम में भर्ती करवाया गया था। बाद में उन्हें अंधेरी में कोविड 19 मरीजों का इलाज करने वाले एक सेंटर में भेजा गया था। 18 सितम्बर की सुबह रवि अंकल का निधन हो गया जिससे पूरा परिवार काफी दुख में है। रवि सील फिल्म प्रोड्यूस करने के अलावा फिल्म गढ़वाली में भी बतौर एक्टर नजर आए हैं। आदित्य पिछले कुछ दिनों से पिता की देख रेख करने के साथ अपने काम में भी व्यस्त चल रहे थे। पिता की मौत का कारण कोविड 19 था जिसके चलते महज कुछ लोगों की उपस्थिती में सावधानी के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। आदित्य ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एक छोटी सी लव स्टोरी से साल 2002 में की थी। जिसके बाद वो कई फिल्मों में नजर आए हैं। साल 2016 में आई फिल्म तुम बिन 2 से उन्हें पहचान मिली जिसके बाद वो नमस्ते इंग्लैंड, और स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 फिल्मों में नजर आए हैं। जल्द ही एक्टर कियारा आडवाणी के साथ फिल्म इंदु की जवानी में नजर आएंगे। इस फिल्म का पहला गाना हसीना पागल दीवानी हाल ही में रिलीज कर दिया गया है।

नोरा फतेही ने शेयर किया मजेदार फनी वीडियो

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपने डांस वीडियो अक्सर सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। उन्होनें हाल ही में एक फनी डांस वीडियो अपने इंस्टाग्राम के ऑफिशियल अकाउंट पर शेयर किया है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं। यकीन मानिए आप भी खुद को इस वीडियो को देखने से रोक नहीं पाएंगे।

वीडियो में नोरा डांस कर रहीं हैं और अचानक से उनकी मां ने उन्हें चप्पल फेंक कर मारती हैं। इसके बाद का रिएक्शन देखने लायक है। आपको बता दें कि असल मे इस वीडियो में नोरा का डबल रोल है। वो इस वीडियो में अपनी मां का रोल भी खुद ही निभा रही हैं। वीडियो में नोरा एक तरफ डांस करती दिखती हैं और दूसरी तरफ उनकी मां किचन में खाना बनाती दिखती हैं। नोरा को डांस करते देख उमकी मां को गुस्सा आ जाता है और वह अपनी चप्पल उतार कर नोरा की तरफ फेंकती हैं और कहती हैं, एक तरफ लोग कोरोना से मर रहे हैं और तुम्हें वैप चैलेंज की पड़ी है। इसे बंद करो अभी के अभी।' एक्ट्रेस के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर यूजर्स के साथ-साथ सेलिब्रिटीज भी खूब पसंद कर रहे हैं। नरगिस फाखरी ने वीडियो पर लाफिंग इमोजी बनाकर कमेंट किया। वहीं एक फैन ने कमेंट कर कहा कि मुझे आपकी मां का कैरेक्टर काफी पसंद आया। इस वीडियो को अब तक 37 लाख से भी ज्यादा लोग देख चुके हैं और ये नंबर बढ़ते ही जा रहे हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बोले- बॉलिवुड को खराब बताना बंद कीजिए

बॉलिवुड में इस समय अगर कुछ सबसे बेहतरीन ऐक्टर्स का नाम लिया जाए तो उसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी का नाम भी रखा जाएगा। नवाजुद्दीन ने अभी तक निभाए अपने अलग-अलग किरदारों से खुद को साबित किया है। हाल में नवाज ने हमारे सहयोगी ईटाइम्स से हुई एक्सक्लूसिव बातचीत में अपनी फिल्मों, बॉलिवुड के सफर, साथी ऐक्टर्स, इरफान खान और नेपोटिज्म की बहस, सभी पर खुलकर बात की।

लॉकडाउन में मसूरी के शानदार रिजॉर्ट में रह रहे हैं नवाज

नवाजुद्दीन ने बताया कि उनका लॉकडाउन बहुत बढ़िया गुजरा। वह अकेले मसूरी के एक शानदार रिजॉर्ट में रह रहे हैं। वहां वह पूरे दिन फिल्म देखते हैं और एक्सरसाइज करते हैं। नवाज का कहना है कि वह ऐसे वक्त का इंतजार कर रहे थे ताकि खुद के लिए कुछ समय निकाल सकें। नवाज ने बताया कि वह ओटीटी पर बेहतरीन कॉन्टेंट वाली फिल्में देख रहे हैं।

जब खुद को पहली बार बड़े पर्दे पर देखा

नवाज कहते हैं उन्होंने खुद को पहली बार बड़े पर्दे पर फिल्म %सरफरोश% में देखा था जिसमें उनका रोल मुश्किल से एक मिनट का था। उन्होंने बताया कि वह अपने दोस्तों को फिल्म दिखाने ले गए थे लेकिन जब उनका सीन आया तो सब लोग बातें करने में बिजी थे। इसके बाद नवाज उन दोस्तों को केवल एक सीन के लिए दोबारा फिल्म दिखाने ले गए थे। ऐसा ही कुछ मुन्नाभाई एमबीबीएस के साथ हुआ था।

नसीरुद्दीन शाह हैं फेवरिट ऐक्टर

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि वह बॉलिवुड के कई बड़े ऐक्टर्स के साथ काम कर चुके हैं लेकिन नसीरुद्दीन शाह उनके फेवरिट ऐक्टर हैं। नवाज का कहना है कि उन्हें आमिर खान भी पसंद हैं क्योंकि वह अपनी फिल्मों में काफी प्रयोग करते हैं। उनका कहना है कि आमिर खान की फिल्में अलग लेवल की होती हैं जिनमें कमर्शल टच भी दिया जाता है, इसलिए उन्हें ये फिल्में पसंद आती हैं।

इरफान को मिस करते हैं नवाज

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इरफान खान के साथ काफी काम किया था। वह आज भी इरफान को अपना मेंटॉर मानते हैं। नवाज का कहना है कि उनके करियर में भी इरफान ने काफी मदद की थी। नवाज ने बताया कि उनकी और इरफान की साथ में की हुई कई फिल्में रिलीज ही नहीं हुई हैं। नवाज ने बताया कि जब भी वह किसी परेशानी में होते थे तो वह इरफान से सलाह लिया करते थे।

अनुराग कश्यप से खास है रिश्ता

नवाज का कहना है कि अनुराग कश्यप के साथ उनकी ट्यूनिंग बेहतरीन है। उन्होंने कहा कि जब भी वह अनुराग कश्यप के साथ काम करते हैं तो मन में सोचते हैं, %मैं दुनिया की सबसे अच्छी ऐक्टिंग कर रहा हूं।% नवाज का यह भी कहना है कि अनुराग कश्यप ने हमेशा उनका सपोर्ट किया है।

खुद को बाहरी नहीं मानते हैं नवाज

हाल के दिनों में बॉलिवुड में चल रही नेपोटिजम की बहस पर नवाज कहते हैं कि उन्हें ऐसा कभी नहीं लगा कि वह बॉलिवुड में बाहरी हैं। उन्होंने कहा कि नेपोटिजम हर जगह मौजूद है लेकिन इसके लिए ऑडियंस सबसे ज्यादा जिम्मेदार है। नवाज ने कहा कि हर बाप चाहता है कि उसका बेटा या बेटी ही आगे बढ़े लेकिन फिर भी लोग बाहर से आकर यहां काम कर रहे हैं और अपनी पहचान बना रहे हैं इसलिए यह बहस बंद होनी चाहिए।

बॉलिवुड को बदनाम न करें

नवाजुद्दीन ने कहा कि आजकल बॉलिवुड को एक बेहद ही खराब जगह बताया जा रहा है जोकि गलत है। उन्होंने कहा कि बॉलिवुड में सभी लोग अपने विचार खुलकर सामने रखते हैं। लेकिन अगर फिल्म इंडस्ट्री के बारे में केवल खराब बातें ही कही जाएंगी तो बॉलिवुड में आने वाले नए टैलेंट अपने कदम पीछे खींच लेंगे। नवाज ने कहा कि जैसी बातें बॉलिवुड के बारे में बोली जा रही हैं उससे तो लोग यही समझेंगे, बॉलिवुड में तो मर्डर होते हैं, ड्रग्स लेते हैं, गांजा पीते हैं। इसलिए ये इनसाइडर-आउटसाइडर और नेपोटिजम की बहस बंद होनी चाहिए।

पायल घोष ने नहीं की है अनुराग कश्यप की शिकायत,

राष्ट्रीय महिला आयोग को है इंतजार

बॉलिवुड में एक दिन पर फिर हंगामा मच गया जब ऐक्ट्रेस पायल घोष ने फिल्म मेकर अनुराग कश्यप के ऊपर यौन शोषण के आरोप लगा दिए। पायल घोष के आरोपों के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा उनके सपोर्ट में आ गई थीं। लेकिन अभी तक आयोग को पायल घोष की तरफ से कोई शिकायत ही नहीं मिली है और आयोग को इसका इंतजार है। इस बारे में जब रेखा शर्मा से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा, मैंने अपने ईमेल चेक किए हैं और पायल घोष की तरफ से मुझे कोई मेल नहीं मिला है। जैसे ही हमें शिकायत मिल जाएगी तो इसे हम संबंधित पुलिस को फॉरवर्ड कर देंगे और वे फिर इस 2015 के मामले की जांच करेंगे। इसके अलावा हम इस केस में कानूनी सलाह भी ले रहे हैं। सेक्शुअल हैरसमेंट के ऐसे ज्यादातर पुराने मामलों में जांच में कुछ भी सामने नहीं आता, इस बारे में रेखा शर्मा ने कहा, अगर मामलों की जांच में देरी होती है तो पुलिस को सबूत इकट्ठे करने में परेशानी होती है। हालांक हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश करेंगे। पायल के बयान के बारे में बात करते हुए रेखा शर्मा ने कहा, पायल को मजिस्ट्रेट के सामने अपने बयान दर्ज कराने होंगे और इसके बाद यह कोर्ट के ऊपर है कि आगे क्या किया जाएगा।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।